हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 243 बेमेतरा, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

सीतापुर। जनपद के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। सीतापुर-गोला मार्ग पर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार मां, बेटे और उनकी मामी को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार तीनों लोगों की दर्दनाक मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामकोट थाना क्षेत्र के ग्राम अरथाना निवासी हिमांशु पांडेय (25) अपनी मां रेखा पांडेय (50) और मामी सुनीता (45) पत्नी जयशंकर बाजपेई के साथ बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। रविवार सुबह जैसे ही उनकी बाइक कोतवाली देहात के कचनार चौकी क्षेत्र अंतर्गत ककरहा के पास अंगरासी मोड़ पर पहुंची, तभी सीतापुर से गोला की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हिमांशु और उसकी मां रेखा पांडेय की मौके पर ही सांसें थम गईं। वहीं, गंभीर रूप से घायल मामी सुनीता को सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया।

उत्तर प्रदेश में 47 डिग्री पार पहुंचा तापमान पड़े लू के थपेड़े

नईदिल्ली। देश के अधिकांश राज्यों में गर्मी का कहर बढ़ता जा रहा है। कई जगह तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक ऊपर चला गया है। देश में सर्वाधिक तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा शहर में 47.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.2 डिग्री ज्यादा था। भारतीय मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम के 10 राज्यों में दिन और रात को गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी तरफ पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का असर 28 अप्रैल तक बना रहेगा, लेकिन 29 अप्रैल से 1 मई के बीच अंधड़ के साथ बारिश होने की संभावना है। राजस्थान में शनिवार को पारा 45.7 डिग्री (बाड़मेर) तक पहुंच गया है। हालांकि, बीकानेर, सीकर, सवाई माधोपुर और बाड़मेर में बारिश हुई, जबकि राजसमंद में ओले भी गिरे। बिहार के कई जिलों में तेज बारिश देखने को मिली। यहां 28 अप्रैल तक मौसम खराब रहने के आसार हैं। दिल्ली में आज दिन में लू का कहर झेलना पड़ेगा, लेकिन शाम होते ही बादल छाने से थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं।

अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान के साथ फिर हुई ठगी

मुंबई। अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी के बेटे आयुष्मान सेठी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आयुष्मान एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं, जिसमें उनके क्रेडिट कार्ड से धोखेबाजों ने 87,000 उड़ा लिए। ये घटना उनके बड़े भाई आर्यमान सेठी के व्लॉग चैनल आर्य व्लॉग्स के जरिए सामने आई। इसके बाद से अर्चना का परिवार काफी परेशान है और उन्होंने इस पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ये वाकया आयुष्मान के बड़े भाई आर्यमान सेठी के यूट्यूब चैनल के व्लॉग में सामने आया।

भारतमाला परियोजना जमीन घोटाला

पूर्वमंत्री अजय चंद्राकर के भाई भूपेंद्र के घर ईडी की दबिश....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले को लेकर ईडी ने आज बड़ी कार्रवाई की है. प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार सुबह तड़के रायपुर, धमतरी समेत कई इलाकों में एक साथ छापेमार कार्रवाई की. ईडी ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के चचेरा भाई भूपेंद्र चंद्राकर के घर भी दबिश है. बीजेपी से जुड़े नेता के घर दबिश से सनसनी फैल गई है. राजधानी रायपुर के अभनपुर क्षेत्र में जमीन कारोबारी गोपाल गांधी के ठिकानों पर श्रष्ठ की टीम ने दबिश दी है. वहीं धमतरी जिले के कुरूद में रौशन चंद्राकर के घर भी ईडी की टीम जांच कर रही है. कुरूद में ही पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर के घर पर भी कार्रवाई जारी है. सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य हाथ लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है. ईडी की टीम सुबह करीब 6 बजे से लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है. ईडी की जांच में सामने आया है कि रायपुर-विशाखापत्तनम नेशनल हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण के दौरान एक बड़ी साजिश रची गई थी. इसमें जमीन दलालों, निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत बताई जा रही है. आरोप है कि मुआवजे की रकम बढ़ाने के लिए जमीन से जुड़े दस्तावेजों में हेरफेर किया गया. इस साजिश के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया गया. ईडी ने यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर के बाद शुरू की थी. इस केस में पहले ही विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है. इसमें हरमीत सिंह खनुजा और 10 लोगों के नाम सामने आए थे. ईडी ने इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई. भारत माला प्रोजेक्ट घोटाला में ईडी ने पिछले माह ही बड़ी कार्रवाई की थी. घोटाले में शामिल जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, खेमराज कोशले, पुनूराम देशलहरे और कुंदन बघेल की 23.35 करोड़ की संपत्ति को अटैच किया था. ईडी की शुरुआत जांच में खुलासा हुआ है कि इस पूरे घोटाले में करीब 27.05 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है. जांच में अब तक 23.35 करोड़ रुपये की अवैध कमाई का पता लगाया गया है. यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 की धारा 5 के तहत की गई है. फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और पूरे मामले पर सभी की नजर बनी हुई है. प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की जांच में पता चला है कि कृषि भूमि को बैकडेट में गैर-कृषि भूमि में बदलकर उसका मुआवजा कई गुना बढ़ाकर दिखाया गया. यह खेल राजस्व विभाग के अधिकारियों (एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी) ने जमीन दलालों के साथ मिलकर खेला. इसमें एक ही खसरे की जमीन को कागजों में छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर अलग-अलग लोगों को मुआवजा दिलाया गया. मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में रायपुर और महासमुंद में छापेमारी कर करोड़ों की संपत्तियां अटैच की हैं, और 40 लाख रुपये से अधिक कैश जब्त किए हैं.

कुरूद में सुबह सुबह दी दबिश

मिली जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल की सुबह करीब दो वाहनों में सवार होकर जांच अधिकारियों की टीम कुरूद स्थित भूपेंद्र चंद्राकर के निवास पर पहुंची। भूपेंद्र चंद्राकर, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के करीबी रिश्तेदार (भतीजे/चचेरे भाई) बताए जा रहे हैं। कार्रवाई के दौरान घर के चारों ओर सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने सुरक्षा के मद्देनजर घर के प्रवेश और निकास द्वारों को सील कर दिया है

राइस मिल अध्यक्ष के ठिकानों पर भी जांच

जांच एजेंसियों की कार्रवाई केवल एक ठिकाने तक सीमित नहीं रही। पूर्व राइस मिल अध्यक्ष रोशन चंद्राकर के ठिकानों पर भी टीमों ने जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की टीम घर के भीतर मौजूद बैंकिंग रिकॉर्ड्स, जमीन के पट्टे, संपत्तियों के दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की बारीकी से पड़ताल कर रही है। छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के जब्त होने की संभावना जताई जा रही है।

आप के सात सांसद बने बीजेपी सदस्य

अभी हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई-संजय..

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दी। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा, 'भाजपा ने अशोक मित्तल पर छापे पड़वाए थे। भाजपा ने कहा था कि वे बहुत भ्रष्ट हैं। आज अशोक मित्तल भाजपा में चले गए हैं। संजय सिंह ने कहा, 'सातों सांसदों ने जो विलय का पत्र दिया है, चेयरमैन ने उसका संज्ञान लिया है। मैंने उन्हें पत्र लिखा है कि संविधान की 10वीं अनुसूचि के मुताबिक इनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि वे इस

पर फैसला देंगे। अभी तक चेयरमैन साहब की ओर से हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई है।' बता दें कि राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की स्थिति कमजोर हो गई है। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सातों सांसदों को अब भाजपा सदस्य के रूप में सूचीबद्ध कर दिया गया है, जिससे राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन सभी सांसदों ने शुक्रवार को सभापति को पत्र देकर स्वयं को भाजपा का हिस्सा मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। आप के लिए यह बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन सात सांसदों ने पार्टी पर उसके मूल सिद्धांतों और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाते हुए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था।

दुबई में बैठे आकिब ने पासपोर्ट फाड़कर भारत न लौटने की दी धमकी

लखनऊ। दुबई में बैठा संदिग्ध आतंकी आकिब सोशल मीडिया के जरिए लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। यूपी एटीएस की कार्रवाई के बाद भी उसकी ऑनलाइन सक्रियता थमी नहीं है। इंस्टाग्राम पर नया वीडियो पोस्ट कर उसने न सिर्फ भड़काऊ बयान दिए, बल्कि अपना पासपोर्ट फाड़ते हुए भारत न लौटने की बात भी कही। जांच एजेंसियां उसकी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं और उसे भारत लाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि यूपी एटीएस ने दो अप्रैल को लखनऊ, मेरठ और गौतम बुद्धनगर से साकिब, अरबाब, लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया था।

मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से सोमवार को यहां मुलाकात कर राष्ट्रीय राजधानी में विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल के साथ हुई मुलाकात को 'शिष्टाचार भेंट' बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, आज माननीय

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू जी से शिष्टाचार भेंट की। दिल्ली में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, जनहित कार्यों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

राज्यसभा सचिवालय से मंजूरी

राघव चड्ढा,संदीप पाठक समेत सात नेता अब भाजपा सांसद..

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की स्थिति कमजोर हो गई है। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सातों सांसदों को अब भाजपा सदस्य के रूप में सूचीबद्ध कर दिया गया है, जिससे राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन सभी सांसदों ने शुक्रवार को सभापति को पत्र देकर स्वयं को

भाजपा का हिस्सा मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। आप के लिए यह बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन सात सांसदों ने पार्टी पर उसके मूल सिद्धांतों और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाते हुए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था। वहीं दूसरी ओर, आप ने रविवार को सभापति के समक्ष याचिका दायर कर इन सातों सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इन सांसदों के दल-बदल को लेकर अयोग्यता की मांग उठाई है। शुक्रवार को जिन सात सांसदों ने आप छोड़कर भजप का दामन थामा था, उनमें राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, अशोक कुमार मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी शामिल थे।

सिपाही पासिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी, प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज

लखनऊ। प्रदेश भर में रविवार को पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन और प्रशिक्षण केंद्रों पर एक साथ आरक्षी नागरिक पुलिस की पासिंग आउट परेड आयोजित हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली और नव आरक्षियों व उनके परिजनों को बधाई दी। उन्होंने बेटियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के बाद यह बल तैयार हुआ है। सीएम बोले कि पुलिस बल को लेकर कहा जाता है कि ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, उतना कम खून बहेगा और अनुशासन पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है।

सांसद भोजराम नाग को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

बिलासपुर हाईकोर्ट ने खारिज की निर्वाचन रद्द करने की याचिका....

बिलासपुर। संवाददाता

सांसद भोजराज नाग को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कांकेर से निर्वाचित सांसद भोजराज नाग पर ईवीएम मशीन में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तत्कालीन उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने निर्वाचन रद्द करने याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया. हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि मशीनों की दोबारा जांच के लिए कोई निर्देश तब तक जारी नहीं किया जा सकता, जब तक मौखिक या डॉक्यूमेंट के ज़रिए गड़बड़ी के बारे में कोई सबूत

रिकॉर्ड पर न रखा गया हो. याचिका खारिज कर याचिकाकर्ता को डॉक्यूमेंट्री सबूत रिकॉर्ड करने के बाद नई एप्लीकेशन फाइल करने की छूट दी गई है. हाईकोर्ट में यह एप्लीकेशन कांकर से सांसद पद के उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, रिटर्निंग ऑफिसर को 26 अप्रैल 2024 को कांकेर पार्लियामेंट्री सीट के लिए हुए इलेक्शन में इस्तेमाल हुई ईवीएम (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपेट यूनिट) की चेकिंग और वेरिफिकेशन करने की इजाज़त देने के लिए एक ऑर्डर जारी करने के लिए फाइल की है. इस इलेक्शन पिटीशन में पिटीशनर ने आरोप लगाया है कि इलेक्शन प्रोसेस रिर्टनग ऑफिसर ने गलत इरादे से किया था, और इसमें कई तरह की गड़बड़ियां और गलत काम किए, जिससे इलेक्शन के नतीजे पर काफी असर पड़ा. पिटीशनर ने आरोप लगाया है।

मोदी ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

पढ़ाई,लिखाई और दवाई हमारी पहली प्राथमिकता-पीएम मोदी

बैरकपुर/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

मतदान की अपील और विकसित बंगाल की गारंटी

पीएम मोदी ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान ने इतिहास रचा है। उन्होंने बंगाल के लोगों से 29 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने का आह्वान किया। यह लोकतंत्र के मंदिर में विजय की ध्वज फहराने का बेहतरीन अवसर है। उन्होंने सभी के मिलकर बंगाल को विकसित बनाने की बात कही, जिसे उन्होंने 'मोदी की गारंटी' बताया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान डाले गए हैं, जिसमें रिकॉर्ड 92.15 फीसदी वोटिंग हुई है। वहीं दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। जबकि विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को जारी किए जाएंगे।

किसानों के विकास के नाम पर नहर निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार

जैजैपुर/मूक पत्रिका

एक तरफ सरकार किसानों के हित के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है तो दूसरी ओर ठेकेदार घटिया निर्माण कर अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं। सक्ति जिले के जैजैपुर क्षेत्र के ओड़ेकेरा से बरदुली तक दूरी लगभग छः किलोमीटर वर्तमान कार्य स्थल कुटराबोर में निर्माणाधीन नहर कार्य में जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी एवं ठेकेदार द्वारा आपस में मिली भगत कर भारी भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

किसानों के खेतों तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने के नाम पर करोड़ों रुपये की लागत से नहर निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है, निर्माण कार्य में न तो गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है और न ही जिम्मेदार इंजीनियरों की निगरानी दिखाई दे रही है। ठेकेदार अपनी मनमानी करते हुए अत्यंत घटिया और निम्न गुणवत्ता का निर्माण कर रहा है। नहर की मोटाई मानक के अनुरूप नहीं है, कई स्थानों पर यह मात्र एक इंच के आसपास दिखाई दे रही है जगह जगह दरारे आ चुकी है, कंक्रीट में तराई भी नही किया जा रहा है। निर्माण में उपयोग हो रहा मटेरियल भी गुणवत्ता हीन है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विभाग और ठेकेदार मिलकर किसानों के विकास के नाम पर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। अब किसानों के खेतों में बनने वाली नहरों में भी भ्रष्टाचार हो रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।

इंजीनियर रहते हैं कार्यस्थल से नदारद

जल संसाधन विभाग के इंजीनियर जिनकी देखरेख में करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे नहर निर्माण कार्य की जिम्मेदारी दी गई है वही मौके से नदारद रहते हैं और यहाँ ठेकेदार अपनी मर्जी से गुणवत्ता को दरकिनार कर घटिया निर्माण कार्य कर रहा है और अकुशल मजदूरों के भरोसे नहर निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता क्या होगी।

सरकार की छबि धूमिल कर रहे हैं जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी

एक तरफ मुख्यमंत्री महोदय कहते हैं कि भ्रष्टाचार करने वाले को कदापि बख्शा नही जाएगा लेकिन मुख्यमंत्री के बयानों को ठेंगा दिखाते हुए जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार मिलीभगत कर खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं लेकिन कोई सुध लेने वाला नही है। आगे ऐसे ही निर्माण कार्य रहा तो नहर साल भर भी टिक नही पायेगा।

मन की बात के 133वें एपिसोड में पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के काले हिरण संरक्षण की सराहना की

चांपा/मूक पत्रिका

26 अप्रैल 2026 को नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की 133वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में काले हिरण के सफल संरक्षण का विशेष रूप से उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके काले हिरण अब बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य के आसपास खुले मैदानों में फिर से दौड़ते नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की एक सुखद और प्रेरक कहानी बताया तथा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के प्रयासों की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि हर नागरिक का छोटा-सा प्रयास देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने देशवासियों को विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, भारत के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए युवाओं से रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जनभागीदारी, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बताया। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में मन की बात के प्रदेश प्रभारी अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद सिकंदर खान, नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, महामंत्री रामवल्लभ सोनी, उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष सलीम मेमन, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष संतोष जब्बल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'माता राष्ट्रमाता आंदोलन' के तहत 10,847 हस्ताक्षर, एसडीएम जागेश्वर कौशल को सौंपा ज्ञापन

गौ सम्मान आह्वान अभियान में जिलेभर से श्रद्धालुओं की भागीदारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में ÷माता राष्ट्रमाता आंदोलन÷ और ÷गौ सम्मान आह्वान अभियान÷ के तहत व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। समर्थकों का मानना है कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में आस्था का केंद्र और पोषण का आधार है, इसलिए उसे माँ का दर्जा देकर सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सोमवार को जिला मुख्यालय में गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने गाय और बछड़े के साथ रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर बीजापुर एसडीएम जागेश्वर कौशल को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। अभियान के तहत जिले की सभी तहसीलों में घर-घर, मंदिरों और देवालयों में हस्ताक्षर कराए गए, जिसमें 10,847 लोगों ने समर्थन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम के माध्यम से प्रार्थना पत्र सौंपते हुए गोवंश की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में छत्तीसगढ़ में अखिल वेदलक्षणा गोमाता (सम्पूर्ण देशी गोवंश) की विधिवत सेवा, पूर्ण सुरक्षा, राज्य माता घोषित करने, 'राष्ट्रमाता' के सम्मान हेतु केंद्र सरकार को अनुशंसा भेजने तथा राज्य में गो-आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का निवेदन किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि गोवंश ग्रामीण जनजीवन, कृषि और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है तथा जैविक खेती और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दौरान जयपाल सिंह राजपूत, खेमिनी यादव, अर्चना सिंह, मोहिनी साहू, विजय बहादुर राजभर, अर्जुन वेको, राहुल गुप्ता, राजू गांधी, कैलाश सहित अन्य लोग मौजूद थे। इसी क्रम में भोपालपटनम, भैरमगढ़ और उसूर तहसील में भी ज्ञापन सौंपा गया, जहां लोगों ने अभियान को समर्थन दिया।

बेमेतरा में कंपोजिट मदिरा दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बेमेतरा जिले के नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत कंपोजिट मदिरा दुकान के संचालन के लिए उपयुक्त दुकान/परिसर उपलब्ध कराने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रक्रिया व्यावसायिक एवं राजस्व दृष्टि से उपयुक्त स्थानों के चयन के लिए की जा रही है।जारी जानकारी के अनुसार, नगर पालिका बेमेतरा सीमा क्षेत्र के भीतर स्थित ऐसे भवन/परिसर, जो पूर्ण रूप से सुसज्जित हों तथा आवश्यक सुविधाओं से युक्त हों, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। परिसर में दुकान संचालन के साथ-साथ अहाता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध होना अनिवार्य है। साथ ही भवन एवं भूमि का क्षेत्रफल निगम की व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए।इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक जानकारी एवं शर्तों के अनुसार आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। संबंधित जानकारी एवं आवेदन पत्र कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला बेमेतरा के कक्ष क्रमांक 42 से कार्यालयीन समय में प्राप्त किए जा सकते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित की गई है, जबकि पूर्ण आवेदन जमा करने की अंतिम समय सीमा उसी दिन दोपहर 1:00 बजे तक रखी गई है। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा प्रक्रिया 18 मई 2026 को सायं 4:00 बजे उप समिति के समक्ष की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा इच्छुक व्यक्तियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई है।

20 सालों से सामाजिक बहिष्कारः न्याय की आस लिय भटक रहा पीड़ित परिवार

रामानुजगंज/मूक पत्रिका

जिले में सामाजिक बैठक में शामिल नहीं होने पर समाज ने 250 रुपए का जुर्माना लगा दिया। जुर्माने की रकम नहीं अदा करने पर परिवार को समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। 20 सालों से परिवार समाज से बहिष्कृत होने के कारण अब बेटे-बेटियों की शादी भी नहीं हो पा रही है। पीड़ित ने पुलिस से भी गुहार लगाई,लेकिन पहल नहीं हुई। मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार,शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के आमगांव निवासी महाबीर प्रसाद गुप्ता का परिवार बीते दो दशकों से समाज से बहिष्कृत है। पीड़ित महाबीर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 2007 में एक सामाजिक बैठक में शामिल होने के लिए उन्होंने रजिस्टर में हस्ताक्षर किया था। वे बाजारों में दुकान लगाते थे। मां की तबीयत खराब होने पर वे गृह ग्राम झारखंड चले गए। मां का देहांत होने के कारण वे दाह-संस्कार के बाद लौटे। इस दौरान सामाजिक बैठक में शामिल न होने पर महाबीर प्रसाद गुप्ता पर समाज ने 250 रुपए का अर्थदंड लगा दिया। उस समय यह रकम बड़ी थी और वे रकम नहीं चुका सके। समाज ने लिखा-पढ़ी कर उनके परिवार को बहिष्कृत कर दिया और नाता तोड़ लिया। 20 सालों से बहिष्कार झेलते अब परिवार थक चुका है। महाबीर प्रसाद गुप्ता का कहना है कि उस समय बच्चे छोटे थे,अब बड़े हो गए हैं। सामाजिक बहिष्कार के कारण बेटे-बेटियों की शादी नहीं हो पा रही है। कोई रिश्ता आता भी है तो समाज के लोग रिश्ते तोड़वा देते हैं। व्ही समाज की बैठक में शामिल होकर बहिष्कार समाप्त करने की कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन समाज के लोगों ने उन्हें बैठक से बाहर कर दिया। पीड़ित के बेटे और बेटी ने कहा कि वे सामाजिक बहिष्कार से थक चुके हैं और चाहते हैं कि यह समाप्त हो। पीड़ित महाबीर प्रसाद गुप्ता का कहना है कि सामाजिक बहिष्कार की सूचना उन्होंने शंकरगढ़ थाने और बलरामपुर पुलिस अधीक्षक को भी दी थी,लेकिन पहल नहीं हो सकी।गांव के दूसरे समाज के लोग भी सामाजिक बहिष्कार से वाकिफहैं। गांव के रामा शंकर पैकरा ने कहा कि परिवार दो दशक से बहिष्कृत है। इसे समाप्त होना चाहिए। उक्त मामले कि जानकारी के संबंध में शंकरगढ़ थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

विनोबानगर में चर्चनुमा निर्माण को लेकर मचा बवाल

रायगढ़. जुटमिल थाना क्षेत्र के संत विनोबा नगर मोहल्ले में रविवार की सुबह ईसाई समुदाय की ओर से प्रार्थना करने के लिए चौक पर चर्चनुमा निर्माण किये जाने को लेकर बजरंग दल के कार्यकताओ ने विरोध जताया। वहीं निर्माणाधीन बाउंड्री वाल को तुड़वाया जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर बवाल मच गया। मामले की जानकारी मिलने पर तहसीलदार शिव कुमार डनसेना व जुट मिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पंहुची और दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए मामले को शांत कराया स बजरंग दल के कार्यकर्ताओ को कहना है कि शासकीय जमीन पर कब्जा कर पहले छोटा चबूतरा बनवाया गया था।

बेमेतरा एग्रीस्टैक पंजीयन में प्रदेश में अव्वल, 1.70 लाख किसानों की बनी आईडी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत कृषकों के पंजीयन का कार्य तेज़ी से जारी है और जिला इस अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 1.70 लाख कृषकों का सफलतापूर्वक पंजीयन कर उनकी एग्रीस्टैक किसान आईडी तैयार की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पूर्व में धान उपार्जन हेतु एग्रीस्टैक पंजीयन को अनिवार्य किया गया था। वर्तमान में इसे और व्यापक बनाते हुए नवीन खाद वितरण पोर्टल के माध्यम से खाद प्राप्त करने के लिए भी एग्रीस्टैक आईडी अनिवार्य कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पंजीयन एवं किस्तों के भुगतान के लिए भी एग्रीस्टैक किसान आईडी आवश्यक कर दी गई है। ऐसे में जिन कृषकों के पास एग्रीस्टैक आईडी नहीं होगी, उन्हें आगामी किस्त का लाभ नहीं मिल सकेगा।

जिले में पीएम किसान योजना के अंतर्गत अब तक 92.21 प्रतिशत लाभार्थियों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूर्ण हो चुका है, जो कि प्रदेश में सर्वाधिक है और इसी उपलब्धि के साथ बेमेतरा ने पहला स्थान हासिल किया है। हालांकि, कुछ तकनीकी एवं व्यावहारिक कारणों से अभी भी कुछ कृषकों का पंजीयन लंबित है। जानकारी के अनुसार 1301 पीएम किसान लाभार्थियों के खाते संयुक्त होने के कारण उनका पंजीयन लंबित है, जिनके भूमि अभिलेखों का अद्यतन संबंधित तहसीलदारों द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त लगभग 4195 लाभार्थियों का पंजीयन मोबाइल फोन की अनुपलब्धता, पलायन एवं अन्य कारणों से अभी तक नहीं हो सका है। जिला प्रशासन ने शेष सभी कृषकों से अपील की है कि वे शीघ्र ही अपने नजदीकी चॉइस सेंटर या सहकारी समितियों में संपर्क कर एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराएं, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। अधिक जानकारी के लिए कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं पटवारी से संपर्क कर सकते हैं।

मुंबई में छाया चांपा का लाल, राज प्रधान ने राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में रचा इतिहास

चांपा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित आइसीएन मुंबई मैजेस्टिक नेचुरल बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य के चांपा शहर के होनहार खिलाड़ी राज प्रधान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राज प्रधान ने मेन्स फिजिक ओपन श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, वहीं क्लासिक एंड फिटनेस श्रेणी में रजत पदक जीतकर अपनी बहुआयामी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रविवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर, नरीमन पॉइंट में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से चयनित और शीर्ष स्तर के बॉडीबिल्डरों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच राज प्रधान का आत्मविश्वास, संतुलित फिजिक, स्टेज प्रेजेंस और तकनीकी परफॉर्मेंस निर्णायकों को खासा प्रभावित करने में सफल रहा। राज प्रधान की इस उपलब्धि से न केवल उनके समर्थकों और परिवार में खुशी की लहर है, बल्कि स्थानीय खेल जगत में भी उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों का मानना है कि उनकी यह सफलता आने वाले युवाओं को फिटनेस और नेचुरल बॉडीबिल्डिंग के प्रति प्रेरित करेगी। प्रतियोगिता के बाद राज प्रधान को बधाइयों का तांता लगा हुआ है और उम्मीद जताई जा रही है कि वे आने वाले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे।

श्री सिद्धि विनायक समिति ने किया गौ सेवकों का स्वागत, रैली में शामिल लोगों को पिलाया लीची जूस

गौ सेवा सम्मान अभियान के तहत चांपा में निकली रैली, तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन

चांपा/मूक पत्रिका

गौ सेवा सम्मान अभियान के आह्वान पर चांपा नगर में गौ सेवकों द्वारा एक शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया गया। रैली परशुराम चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में गौ सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिन्होंने गौ संरक्षण के समर्थन में नारे लगाए और जन-जागरूकता का संदेश दिया। रैली के पश्चात गौ सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की गई। गौ सेवकों ने बताया कि यह अभियान केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में एक साथ चलाया जा रहा है, ताकि सरकार तक जनभावनाएं स्पष्ट रूप से पहुंच सकें। ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम से सौंपा गया। गौ सेवकों ने प्रशासन से अपील की कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए गौ संरक्षण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर परशुराम चौक पर श्री सिद्धि विनायक समिति चांपा के सदस्यों द्वारा रैली में शामिल सभी गौ सेवकों का स्वागत किया गया। समिति की ओर से उपस्थित लोगों को लीची जूस पिलाया गया तथा गौ संरक्षण की मांग का समर्थन करते हुए आयोजन में सहभागिता निभाई गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ रैली का समापन किया।

सामान्य सभा के बहिष्कार पर सियासत तेज: जेसीसीजे ने भाजपा पर साधा निशाना

विजय झाड़ी बोले– संवैधानिक संस्थाओं का नहीं सम्मान, विकास नहीं भ्रष्टाचार चाहती है भाजपा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बीजापुर की सामान्य सभा के बहिष्कार को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस-जे. (जेसीसीजे) के बस्तर संभागीय उपाध्यक्ष विजय झाड़ी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा पर निशाना साधा है। झाड़ी ने कहा कि हाल ही में आयोजित सामान्य सभा की बैठक का भाजपा समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा बहिष्कार किया गया, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सामान्य सभा वह महत्वपूर्ण मंच है, जहां क्षेत्र के विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों द्वारा ही बैठक का बहिष्कार किया जाना यह दर्शाता है कि उन्हें विकास कार्यों में रुचि नहीं है। झाड़ी के अनुसार भाजपा के जनप्रतिनिधि अधिकारियों पर दबाव बनाकर कार्य करवाना चाहते हैं और जब ऐसा नहीं होता तो इस तरह के कदम उठाते हैं।झाड़ी ने यह भी कहा कि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा दबाव नहीं मानने पर भाजपा सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार किया, जो पंचायती राज व्यवस्था और संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहिए।

जनगणना 2026 में 'आदिवासी धर्म' दर्ज कराने सर्व आदिवासी समाज का आह्वान

- संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर और महासचिव तिमोथी लकड़ा ने सभी समाजों से जागरूकता अभियान चलाने की अपील की

जगदलपुर/ बीजापुर/मूक पत्रिका

सर्व आदिवासी समाज बस्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर और महासचिव तिमोथी लकड़ा ने वर्ष 2026 की प्रस्तावित जनगणना में आदिवासी समुदाय की विशिष्ट पहचान दर्ज कराने को लेकर सभी समाजों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। इस संबंध में बस्तर संभाग के बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के पदाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है।जारी पत्र में गोंड, कोया, ध्रुव गोंड, हल्बा (18गढ़, 32गढ़, 36गढ़), मुरिया, भतरा, धुरवा, दोरला, गदबा, परजा, परधान, उरांव, कंवर, सौरा, ओझा, माड़िया, अबुझमाड़िया, दण्डामी माड़िया, पारधी, कंडरा, मुंडा, कमार, सोनझर और नागरची समाज के अध्यक्षों एवं सचिवों से विशेष सहयोग की अपेक्षा की गई है।प्रकाश ठाकुर और तिमोथी लकड़ा ने कहा कि आगामी जनगणना आदिवासी समाज के अस्तित्व, पहचान और भविष्य के अधिकारों के निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। समाज लंबे समय से अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपरा और प्रकृति-पूजक जीवन शैली के अनुरूप पृथक 'आदिवासी धर्म' दर्ज कराने की मांग करता रहा है।पत्र में समाज के पदाधिकारियों से अपील की गई है कि वे ग्राम स्तर पर बैठकों का आयोजन कर लोगों को जागरूक करें और जनगणना प्रपत्र के धर्म कॉलम में किसी अन्य धर्म के बजाय स्पष्ट रूप से 'आदिवासी धर्म' दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। साथ ही पढ़े-लिखे युवाओं को स्वयंसेवक के रूप में तैयार कर गणना के दौरान बुजुर्गों एवं कम पढ़े-लिखे लोगों की सहायता करने पर भी जोर दिया गया है।उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान ही जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा का आधार है। इसलिए सभी समाजों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और जनगणना 2026 में 'आदिवासी धर्म' दर्ज कराने के लिए व्यापक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया है।

जनगणना की तैयारी पूरी, 1 मई से मकान सूचीकरण शुरू, 594 प्रगणक व 105 सुपरवाइजर तैनात

तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में आगामी जनगणना को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसके तहत तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया है, जिसमें जनगणना कार्य से जुड़े कर्मचारियों को फील्ड स्तर की जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया गया।मिली जानकारी अनुसार इस अभियान में जिले के 594 प्रगणक और 105 सुपरवाइजर भाग लेंगे। इन्हें फील्ड ट्रेनरों के माध्यम से विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके।जनगणना का पहला चरण 1 मई से 30 मई तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक प्रत्येक घर तक पहुंचकर आवश्यक सांख्यिकीय जानकारी जुटाएंगे। जिले के प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर संबित मिश्रा ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में केवल सांख्यिकीय जानकारी ही एकत्र की जाती है। साथ ही यह भी बताया कि जनगणना के दौरान ओटीपी, बैंक खाता नंबर, पैन या आधार जैसी संवेदनशील जानकारी नहीं मांगी जाएगी। ऐसे किसी भी मामले में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने लोगों से सही और सटीक जानकारी देने की अपील करते हुए कहा है कि इससे सरकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण में मदद मिलेगी।

धमतरी में समर्थन मूल्य चना खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, 76 हज़ार क्विंटल की हुई खरीदी

उपार्जन केंद्रों पर बढ़ी किसानों की भीड़

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान 2018 में शुरू की गई एक प्रमुख सरकारी योजना है। इसका उद्देश्य दलहन, तिलहन किसानों को उनकी उपज का लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करना है। यह योजना मूल्य अस्थिरता को कम कर किसानों की आय की रक्षा करती है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत छत्तीसगढ के धमतरी जिले में चना खरीदी का कार्य अब अपने अंतिम और निर्णायक चरण की ओर बढ़ रहा है। राज्य में सर्वाधिक चना उत्पादक जिले के रूप में अपनी धाक जमा चुके धमतरी में, अब उपार्जन केंद्रों पर किसानों की चहल-पहल और भी बढ़ गई है। जिले की 76 हजार क्विंटल की शानदार उपलब्धि के बाद, कृषि विभाग अब शेष 24 हजार क्विंटल के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिशन मोड पर है। राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों का मानना है कि धमतरी जिले द्वारा अपनाई गई पारदर्शी पंजीकरण और त्वरित भुगतान की प्रणाली अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। प्रशासन की सक्रियता से किसानों को प्राथमिकता मिल रही है। जिले के 11 खरीदी केंद्रों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की तैनाती बढ़ा दी है, ताकि तौल से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया में कहीं कोई बाधा न आए। इसके साथ ही उन्होंने परिवहन में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। खरीदी गई उपज को जल्द से जल्द गोदामों तक पहुँचाने के लिए परिवहन की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है, जिससे केंद्रों पर किसानों को अपनी बारी का इंतजार न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपज लेकर आने वाले किसी भी किसान को निराश होकर न लौटना पड़े। उपार्जन केंद्रों पर मौजूद किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर त्वरित भुगतान मिलने से उन्हें रबी की कटाई के बाद के खर्चों को संभालने में बहुत मदद मिल रही है। समय पर मिल रहे इस आर्थिक संबल के कारण किसानों का रुझान अब अन्य फसलों की तुलना में दलहन उत्पादन की ओर अधिक बढ़ रहा है। यह योजना न केवल किसानों को सही दाम दिलाती है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को भी नियंत्रित करती है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अगले कुछ दिनों में शेष लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी संसाधन झोंक दिए जाएंगे। प्रशासनिक स्तर पर किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने संबंधित उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों से संपर्क बनाए रखें ताकि खरीदी प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हो सके।

चोरों का आतंक: राम मंदिर में तीन बार चोरी, गांव में भी लगातार वारदातें

बेमेतरा/मूक पत्रिका

करपावड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत छिंन्दगांव में चोरी की लगातार बढ़ती घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गांव के राम मंदिर को चोरों ने एक बार नहीं बल्कि तीन बार निशाना बनाया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, पहली घटना कुछ दिन पहले सामने आई थी, जब मंदिर की दान पेटी में रखी नकदी गायब पाई गई। इसके बाद दूसरी बार चोरों ने मंदिर में घुसकर कीमती सामान और अन्य वस्तुएं चुरा लीं। तीसरी बार भी चोर बेखौफ होकर मंदिर में दाखिल हुए और चोरी की वारदात को अंजाम देने में सफल रहे।केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि खेती कार्य के लिए लगाय गए पानी पम्पो का भी चोरी हो रही है पूरे गांव में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव से कई सामान चोरी होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, लेकिन अब तक चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इससे लोगों में डर और नाराजगी का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही चोरों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। वहीं करपावड थाना प्रभारी ने कहा कि मामले को संज्ञान में लेकर जांच शूरू कर दिया है और जल्द ही के गिरफ्तार किया जायेगा पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और जल्द खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

सामान्य सभा के बहिष्कार पर सियासत तेजः जेसीसीजे ने भाजपा पर साधा निशाना

विजय झाड़ी बोले– संवैधानिक संस्थाओं का नहीं सम्मान, विकास नहीं भ्रष्टाचार चाहती है भाजपा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बीजापुर की सामान्य सभा के बहिष्कार को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस-जे. (जेसीसीजे) के बस्तर संभागीय उपाध्यक्ष विजय झाड़ी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा पर निशाना साधा है। झाड़ी ने कहा कि हाल ही में आयोजित सामान्य सभा की बैठक का भाजपा समर्थित जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा बहिष्कार किया गया, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सामान्य सभा वह महत्वपूर्ण मंच है, जहां क्षेत्र के विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों द्वारा ही बैठक का बहिष्कार किया जाना यह दर्शाता है कि उन्हें विकास कार्यों में रुचि नहीं है। झाड़ी के अनुसार भाजपा के जनप्रतिनिधि अधिकारियों पर दबाव बनाकर कार्य करवाना चाहते हैं और जब ऐसा नहीं होता तो इस तरह के कदम उठाते हैं। झाड़ी ने यह भी कहा कि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा दबाव नहीं मानने पर भाजपा सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार किया, जो पंचायती राज व्यवस्था और संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहिए।

14 साल की बालिकाओं को लगेगा HPV वैक्सीन, जिला अस्पताल व ष्टाष्ट में सुविधा शुरू

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बीजापुर में विशेष अभियान

बीजापुर/मूक पत्रिका

महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया है। इसके तहत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) का टीका लगाया जा रहा है, जिसे इस बीमारी से बचाव के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के अनुसार, जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में यह वैक्सीन उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि 14 वर्ष की आयु इस टीकाकरण के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है, क्योंकि इस उम्र में शरीर में मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल करीब 1.2 लाख नए मामले सामने आते हैं, जबकि लगभग 77 हजार महिलाओं की मौत इस बीमारी से होती है। आंकड़ों के अनुसार, देश में हर 8 मिनट में एक महिला इसकी वजह से जान गंवाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कैंसर के 95त्न से अधिक मामलों का कारण एचपीवी वायरस है। समय पर टीकाकरण कराने से भविष्य में इस बीमारी का खतरा 90 से 100त्न तक कम हो सकता है। यह वैक्सीन न केवल जानलेवा बीमारी से बचाती है, बल्कि इलाज में आने वाले भारी खर्च से भी राहत दिलाती है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अन्य प्रमुख संस्थाओं द्वारा प्रमाणित है। टीका लगने के बाद हल्का दर्द या मामूली बुखार जैसे सामान्य लक्षण हो सकते हैं, जो एक-दो दिन में ठीक हो जाते हैं। जिला प्रशासन ने अभिभावकों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर यह टीका जरूर लगवाएं, ताकि उन्हें भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित किया जा सके।

संपादकीय

युद्धविराम बढ़ा, तनाव कायम!

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है।अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी।यही नहीं, युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होर्मुज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी।गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिका चाहता था कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है।मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी? क्या ईरान अपनी शर्तों में नरमी लाएगा या फिर अमेरिका अपने रुख में बदलाव लाने पर विचार करेगा? वर्तमान में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के तेवर दिखाए जा रहे हैं, उससे स्थिति सुधरने के बजाय जटिल होती जा रही है।अमेरिका के राष्ट्रपति ने युद्धविराम बढ़ाने के एलान के साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान पर हमले तभी तक रुकेंगे रहेंगे, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि समेकित प्रस्ताव तैयार नहीं कर लेते। साथ ही कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस घोषणा के बाद ईरान की ओर से होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले किए गए। इससे पहले अमेरिका की नौसेना ने ईरानी कच्चे तेल को ले जा रहे एक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था।इस बीच, ईरान ने कहा है कि अमेरिका की ओर से जब तक नाकेबंदी नहीं हटाई जाती है, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। इससे साफ है कि भले ही युद्धविराम काफी हद तक कायम रहे और ईरान तथा अमेरिका बड़े हमले दोबारा शुरू न करें, फिर भी यह तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए रखेगा। सवाल है कि क्या अमेरिका और ईरान की यह जिम्मेदारी नहीं है, जिन देशों का इस युद्ध से सीधा संबंध नहीं है, उन पर इसका कोई प्रभाव न पड़े? दोनों देशों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि वे शांति वार्ता की मेज पर आएं और ईमानदारी से विवाद का स्थायी हल खोजने की कोशिश करें।

अंतरिक्ष में युद्ध की दस्तक! मानव सभ्यता अपने ही बनाए तकनीकी जाल में फंसने जा रही है

आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है?

(विजन कुमार पांडेय)

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है।

विश्व भर में युद्ध का स्वरूप जिस तेजी से बदल रहा है, उससे यह आशंका भी गहराती जा रही है कि आने वाले दिनों में यह केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं रहेगा। यह अंतरिक्ष की ओर भी बढ़ता हुआ एक ऐसा संभावित संकट है, जिसकी भयावहता का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से स्पष्ट संकेत मिले हैं कि भविष्य के युद्ध में आसमान और अंतरिक्ष से लड़ने की रणनीति को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसमें मानवीय भूमिका कम होगी, लेकिन इसके असर का दायरा व्यापक होगा।

आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है?

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है। जब उपग्रह पर हमले होंगे, तो अंतरिक्ष मलबे के खतरनाक जाल में बदलने लगेगा। हजारों टुकड़ों में बिखरा यह मलबा बंदूक की गोलियों की तरह तेजी से घूमेगा और दूसरे उपग्रहों से टकराकर उन्हें नष्ट कर सकता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो शुरू तो किया जा सकता है, लेकिन उसे रोकना संभव नहीं होता। इसका अंजाम यह हो सकता है कि अंतरिक्ष दशकों तक खतरनाक मलबे का कब्रिस्तान बन जाए और समूची मानव सभ्यता तकनीकी रूप से फिर अंधकार युग में धकेल दी जाए।

जब अंतरिक्ष में कोई गड़बड़ी होगी, तो उसका असर धरती पर व्यापक रूप से महसूस होगा। एक ऐसी दुनिया की कल्पना भी डराती है, जहां इंटरनेट अचानक बंद हो जाए, मोबाइल नेटवर्क गायब हो जाएं और संचार के सभी साधन पूरी तरह से ठप पड़ जाएं। हवाई जहाज अपने रास्ते से भटक जाए, समुद्र में जहाज अपना रास्ता खो दें, और यहां तक कि आपातकालीन सेवाएं भी काम करना बंद कर दें। अस्पताल के उपकरण, बैंकिंग प्रणाली और आपदा प्रबंधन सब कुछ ठप पड़ जाए। फिर यह किसी एक देश की समस्या नहीं होगी, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के ठहर जाने जैसा होगा। तब यह युद्ध बिना बम गिराए भी जीवन की रफ्तार को रोक देगा। तब यह प्रभाव केवल एक तकनीकी समस्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे-सीधे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को हिला देगा। आज की दुनिया में डिजिटल तंत्र सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक जीवन रेखा बन चुके हैं। बैंकिंग प्रणाली, आनलाइन वित्तीय लेन-देन, शेयर बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, ये सब व्यवस्था के ढहने का संकेत है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। यूक्रेन का जापोरिजिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा संयंत्र है, वह रूसी सेना के हमलों की जद में है। अगर वहां कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसका प्रभाव केवल यूक्रेन तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह पूरे यूरोप को अपनी चपेट में ले सकता है। इसी तरह पश्चिम एशिया में तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खाड़ी देशों के लिए खतरा मानता रहे हैं। पिछले वर्ष अमेरिका की ओर से फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमले यह दिखाते हैं कि दुनिया की महाशक्तियां भी अब 'लाल रेखा' को लांघ रही हैं। इस तरह के हमले समाधान नहीं, बल्कि जोखिम और अस्थिरता को कई गुना बढ़ा देते हैं।

इस पूरे परिदृश्य का एक और चिंताजनक पहलू है- साइबर युद्ध। अमेरिका की परमाणु सुरक्षा एजंसी में सेंध की कोशिश और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों पर 'रैंसमवेयर' हमले यह दिखाते हैं कि परमाणु ढांचों पर अब केवल बम और मिसाइल का नहीं, बल्कि डिजिटल खतरा भी मंडरा रहा है। एक साइबर हमला किसी भी परमाणु रिएक्टर को अस्थिर कर सकता है, जिसके परिणाम किसी परमाणु विस्फोट से कम नहीं होंगे। अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ऐसे ठिकानों पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, जहां से खतरनाक विकिरणों का उत्सर्जन हो सकता है। मगर जब अमेरिका, रूस और इजरायल जैसे देश ही इन सीमाओं को नजरअंदाज करने लगें, तो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के महत्त्व और प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इसका समाधान यही है कि परमाणु ठिकानों को हर हाल में युद्ध के दायरे से बाहर रखा जाए, चाहे वह पारंपरिक युद्ध हो या साइबर युद्ध। इसके लिए वैश्विक सहमति और कड़े प्रतिबंध जरूरी हैं। साथ ही, आइएईए जैसी संस्थाओं को और अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाना होगा, ताकि उन पर सभी देशों का विश्वास कायम रह सके। अगर आज भी दुनिया नहीं चेती, तो कल एक छोटी-सी चूक एक बड़े परमाणु हादसे में बदल सकती है। उस समय न कोई विजेता होगा, न पराजित, बल्कि केवल विनाश बचेगा। दुनिया पहले ही एक नाजुक दौर में है, जहां मौसम पूर्वानुमान और पर्यावरण निगरानी उपग्रहों पर निर्भर हैं। अंतरिक्ष संघर्ष इन प्रणालियों को कमजोर कर सकता है, जिससे आपदा चेतावनी तंत्र प्रभावित होगा और ऊर्जा संकट के चलते देश फिर से जीवाश्म ईंधनों की ओर लौटेंगे, जिससे पेरिस समझौते के लक्ष्य खतरे में पड़ सकते हैं।

कुछ उपग्रह आधारित संचार और मार्गदर्शन पर निर्भर है।

वर्तमान परिदृश्य में जहां 'क्रिप्टोकरेंसी' और 'रियल-टाइम ग्लोबल ट्रेडिंग' तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में संभावित अंतरिक्ष युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। इसके अलावा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर कामकाज ठप हो जाने का सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। जरूरी वस्तुओं की कमी हो जाएगी, महंगाई अचानक बढ़ जाएगी और रोजगार पर भी खतरा मंडराने लगेगा। सरकारें आपातकालीन उपाय अपनाने पर मजबूर होंगी, लेकिन डिजिटल निर्भरता इतनी गहरी हो चुकी है कि पारंपरिक प्रणाली तुरंत उसकी भरपाई नहीं कर पाएगी। सबसे खतरनाक बात यह है कि इससे होने वाली तबाही अचानक दबे पांव आएगी- न कोई धमाका, न युद्ध का शोर। व्यवस्था एक ऐसे संकट में घिर जाएगी, जिसकी तुलना किसी भी पारंपरिक युद्ध से करना मुश्किल होगा।

दुनिया आज उस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां अब परमाणु ठिकाने भी युद्ध की मार से सुरक्षित नहीं हैं। जो स्थान कभी वर्जित माने जाते थे, आज वे सैन्य रणनीति का हिस्सा बनते जा रहे हैं। यह सिर्फ एक सैन्य रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा

यह केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि एक नैतिक संकट भी है। अंतरिक्ष, जो मानवता की साझा धरोहर है, अब शक्ति प्रदर्शन का मंच बनता जा रहा है। उपग्रह-रोधी हथियारों की होड़ विज्ञान के उद्देश्य पर ही सवाल उठा रही है। ऐसे में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। इसरो ने अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग का उदाहरण पेश किया है। भारत को वैश्विक मंचों पर अंतरिक्ष के सैन्यीकरण के खिलाफ मजबूत आवाज उठानी चाहिए। यह पूरी मानवता के भविष्य का प्रश्न है, जिसमें कोई विजेता नहीं होगा।

अंतरिक्ष में जिसका दबदबा रहेगा, वही दुनिया का सबसे बड़ा बादशाह बनेगा। पिछले वर्ष रूस ने अपने एक उपग्रह से मिसाइल हमला कर दूसरे उपग्रह को मार गिराया था। तब से रूस का यह कदम अंतरिक्ष को युद्ध के मोर्चे के रूप में बदलने की दिशा में एक बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। यही नहीं चीन भी बहुत तेजी से अंतरिक्ष जंग के लिए अपने को तैयार कर रहा है।

10-20 रुपये में मिलने वाली झालमुड़ी, लाखों लोगों का रोजगार है, हल्के में मत लीजिए सरकार

(सुधांशु माहेश्वरी)

20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल होती है।पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी खाना चर्चा का विषय बन गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 24 घंटे के अंदर पीएम मोदी के उस वीडियो को 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। जिस झालमुड़ी का स्वाद पीएम मोदी ने चखा, पश्चिम बंगाल के साथ भारत के कई दूसरे राज्यों में ये लोगों का पसंदीदा स्नैक है। बात चाहे उत्तर प्रदेश की हो, पंजाब की हो, झारखंड की हो या फिर ओडिशा, अलग-अलग नामों से प्रचलित यह स्नैक वहां भी खूब खाया जाता है।

इसको बनाना जितना आसान है, इसकी कीमत भी उतनी ही किफायती है। 10 से लेकर 20 रुपये तक में पेट भर झालमुड़ी लोगों को मिल जाती है। झालमुड़ी से लाखों लोगों का घर चलता है। जिन चीजों से मिलकर यह स्नैक तैयार होता है, वही उसकी असल इकोनॉमिक्स है। झालमुड़ी बनाने में मुख्य रूप से मुरमुरा, सरसों का तेल, बारीक कटी सब्जियां, भुनी मूंगफली, उबले आलू, हरी मिर्च और मसालों का इस्तेमाल होता है।

इसका मतलब है कि एक 20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल है। शुरुआत खेत में फसल की उगाई से होती है, फिर फैक्ट्री में प्रोसेसिंग और अंत में एक ठेले वाले तक उसकी सप्लाई पहुंचती है। इस पूरी प्रक्रिया को झालमुड़ी के उदाहरण से ही समझने की कोशिश करते हैं।

झालमुड़ी में सबसे मूल सामग्री मुरमुरा है जो चावल से बनता है। इस अकेले मुरमुरा बनने की प्रक्रिया में खेत में काम करने वाले मजदूर, राइस मिल में काम करने वाले मशीन ऑपरेटर,पैकिंग स्टाफ और ट्रांसपोर्ट सप्लाई में शामिल ड्राइवर्स को नौकरी मिलती है। इसी तरह सरसों का तेल भी झामुढ़ी में इस्तेमाल होता है। इसकी बनने की प्रक्रिया में भी किसान शामिल है, फिर फैक्ट्रियों में उसकी सफाई करने वाला मजदूर है और अंत में उनकी पैकेजिंग में शामिल दूसरे कारीगर।

यहां पर भी किसानों से लेकर फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर, पैकेजिंग में शामिल स्टाफ और ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल हो रहे ड्राइवरों को नौकरी मिल रही है।

मसाले भी झालमुड़ी की एक बड़ी यूएसपी हैं जिनके बिना इस स्नैक का स्वाद ही नहीं आ सकता। यहां भी नमक उद्योग, मसाला उद्योग, पैकेजिंग इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट-लॉजिस्टिक्स तक सब शामिल हैं।

झालमुड़ी की सप्लाई चेन तो समझ आ गई है, यह स्नैक देश के लाखों ठेले वालों की एक बड़ी आजीविका भी बन चुका है। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक भारत में 49.48 लाख रजिस्टर्ड स्ट्रीट वेंडर्स हैं। यहां भी सबसे ज्यादा स्ट्रीट वेंडर उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं जिनकी संख्या 8.49 लाख से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में भी बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स मौजूद हैं, हालांकि जानकार मानते हैं कि बड़ी संख्या अब भी रजिस्ट्रेशन के दायरे से बाहर है।

यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि सभी स्ट्रीट वेंडर फूड आइटम नहीं बेचते हैं। कपड़े, घरेलू सामान और दूसरी चीजें भी बेची जाती हैं। लेकिन यहां ज्यादा बड़ी संख्या फूड स्ट्रीट वेंडर्स की होती है, शहरों में यह चलन और ज्यादा प्रबल दिख जाता है। यही वेंडर्स सड़कों पर झालमुड़ी जैसे नाश्ते बेचते हैं। उसी से उनका घर चलता है और दो वक्त की रोटी मिल पाती है।

झालमुड़ी को एक तरह से 'रेल स्नैक' भी कहा जा सकता है। प्लेटफॉर्म पर इंतजार करता यात्री हो या ट्रेन पकड़ने की जल्दी में भागता मुसाफिर, इसकी लोकप्रियता वहां भी साफ दिखती है। भारतीय रेलवे के 7,300 से ज्यादा स्टेशनों के नेटवर्क में ज्यादातर स्टेशनों पर यह स्नैक बड़ी संख्या में बिकता है। ऐसे में 10 से 20 रुपये में मिलने वाली यह झालमुड़ी रेल इकोनॉमी से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

इसके ऊपर भारत जैसा देश चावल का एक बड़ा उत्पादक है, दुनिया में उसकी हिस्सेदारी 28 फीसदी के करीब बैठती है। भारत में चावल की खेती लगभग 50 से 52 मिलियन हेक्टेयर में होती है। ऐसे में अगर झालमुड़ी जैसा स्नैक ना बनाया जाए तो भारत के चावल का एक बड़ा हिस्सा कहां जाएगा, उसका इस्तेमाल कैसे होगा?

ऐसे में झालमुड़ी को सिर्फ एक 10 या 20 रुपये के नाश्ते के रूप में नहीं देखा जा सकता, यह भारत की असंगठित अर्थव्यवस्था का अहम अंग है जिसका कागजों में भले ही टर्नओवर ना दिखे, लेकिन लाखों लोगों का यह सहारा है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

(उमेश चतुर्वेदी)

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज़्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मज़बूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाज़ी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा , जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कार्रवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है।

ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जान भी जान ले सकती है विटामिन डी अधिक मात्रा

विटामिन डी शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है लेकिन इसकी अधिक मात्रा लेने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। एम्स की रुमेटोलोजी प्रमुख के अनुसार, विटामिन डी की अधिक मात्रा जान ले सकती है। संतुलित मात्रा जरूरी है।

विटामिन डी सप्लीमेंट की मदद से हड्डी मजबूत करने के चक्कर में एक व्यक्ति अपनी जिंदगी दांव पर लगा बैठा। डॉक्टर ने उसे सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने को कहा, लेकिन वह इसे हर रोज इस्तेमाल करने लगा। लगातार उल्टी की शिकायत लेकर वह अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टर हैरान रह गए। अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक आगरा के रहने वाले इस व्यक्ति के रक्त की जांच कराई गई। पता चला कि क्रिएटनिन और कैल्शियम का स्तर ज्यादा बढ़ गया है। विस्तृत जांच करने पर पता चला कि उसके शरीर में विटामिन डी की मात्रा बहुत अधिक हो गई। इसके बाद उसका जरूरी उपचार किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक, विटामिन डी का सप्लीमेंट अधिक लेने से मरीज की किडनी पर गंभीर असर पड़ा है। उसने चिकित्सकों को बताया कि कुछ दिन पहले उसके टखने की हड्डी टूट गई थी। तब एक डॉक्टर ने सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने की सलाह दी, लेकिन वह रोज लेने लगा। इससे वह बीमार हो गया।

फेफड़ों को नुकसान

अधिक विटामिन डी का सेवन खून में कैल्शियम, फॉस्फेट के स्तर को बढ़ा देता है। इनसे बने क्रिस्टल फेफड़ों में जमा होने की आशंका रहती है। इससे फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

विटामिन डी क्यों जरूरी

विटामिन डी के अभाव में शरीर में कैल्शियम का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। इससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। विटामिन डी की कमी शुगर का स्तर भी बढ़ाती है। सूरज की किरणों और खाने की कुछ चीजों को छोड़कर तमाम खाने में विटामिन डी नहीं मिल पाता। इसलिए चिकित्सक परीक्षण के बाद इसकी गोलियां और पाउडर लेने की सलाह देते हैं।

विटामिन डी की कितनी मात्रा है जरूरी

हर व्यक्ति के रक्त में 30 से 70 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर विटामिन डी की मात्रा जरूरी होती है। शरीर में विटामिन डी की मात्रा 20 से 30 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर के बीच है तो कमी मानी जाती है। अगर यह 20 से नीचे और 70 से ऊपर है तो तुरंत चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

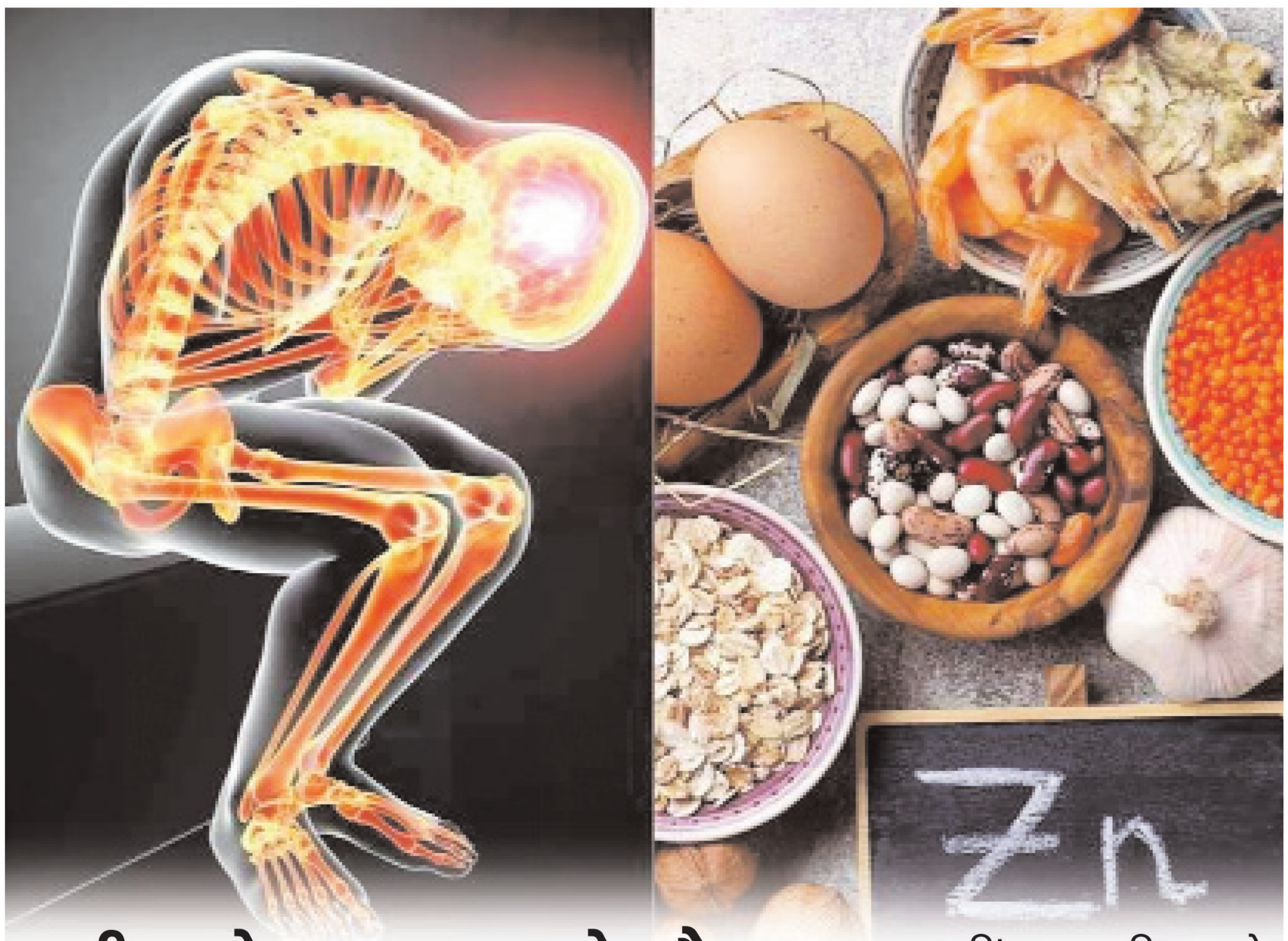

शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरी है जिंक

जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है।

शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अक्सर देखा गया है कि लोग अक्सर सिर्फ प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों की बात करते हैं। आपको बता दें कि शरीर के सभी अंगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जिंकभी बहुत जरूरी होता है। जिंक की कमी तब होती है, जब शरीर में मिनरल जिंक की पर्याप्त मात्रा नहीं होती है। जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी से त्वचा में भारी बदलाव हो सकते हैं, जो पहले एक्जिमा की तरह दिखते हैं। समस्या यह है कि यह दाने आसानी से ठीक नहीं होते हैं। इसके अलावा आपको बाल झड़ना, नाखूनों में परिवर्तन, दस्त, संक्रमण, चिड़चिड़ापन महसूस करना, भूख में कमी, नपुंसकता, आंखों की समस्या, वजन घटना, घाव जो जल्दी ठीक नहीं होते हैं या स्वाद और गंध की कमी महसूस होना। हेल्थ डायरेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके गंभीर लक्षणों में संक्रमण, हाइपोगोनाडिज्म, वजन घटना, तनाव-चिंता, जिल्द की सूजन, स्वाद बिगड़ना, रतौंधी, भूख में कमी, घाव भरने में देरी और खून में अमोनिया का लेवल बढ़ना शामिल है। चलिए जानते हैं कि इस जरूरी पोषक तत्व की कमी पूरी करने के लिए आपको किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

अंडे खाएं

अंडे में मध्यम मात्रा में जिंक होता है और यह आपके दैनिक लक्ष्य को पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, 1 बड़े अंडे में दिन की जरूरत का लगभग 5% जिंक होता है। यह 77 कैलोरी, 6 ग्राम प्रोटीन, 5 ग्राम स्वस्थ वसा और बी विटामिन और सेलेनियम सहित कई अन्य विटामिन और खनिजों के साथ आता है।

जिंक की कमी दूर करने के लिए खाएं फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसे फलियों में जिंक की पर्याप्त मात्रा होती है। 100 ग्राम पकी हुई दाल में रोजाना की जरूरत का लगभग 12% जिंक होता है। यह चीजें प्रोटीन और फाइबर का भी बेहतर स्रोत हैं।

मांस जिंक का बढ़िया स्रोत

लाल मांस जिंक का बढ़िया स्रोत है। 100 ग्राम (3.5-औंस) मीट में 4.8 मिलीग्राम जिंक होता है, जो रोजाना की जरूरत का 44% है। इतने मांस में 176 कैलोरी, 20 ग्राम प्रोटीन और 10 ग्राम वसा पाया जाता है।

कुछ सब्जियां भी हैं फायदेमंद

सामान्य तौर पर, फल और सब्जियां जिंक के खराब स्रोत होते हैं। हालांकि, कुछ सब्जियों में उचित मात्रा होती है और यह आपकी दैनिक जरूरतों में योगदान कर सकती हैं, खासकर यदि आप मांस नहीं खाते हैं। एक मिलीग्राम प्रति बड़े आलू से आपको रोजाना की जरूरत का 9% जिंक मिल सकता है। हरी बीन्स से लगभग 3% मिल सकता है। इनके अलावा आपको जिंक की कमी पूरी करने के लिए शैलफिश, कुछ तरह के सीड्स, नट्स, साबुत अनाज और डार्क चॉकलेट का भी सेवन करना चाहिए।

जिंक का तगड़ा स्रोत हैं डेयरी उत्पाद

पनीर और दूध जैसे डेयरी खाद्य पदार्थ जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रदान करते हैं। दूध और पनीर में इसकी उच्च मात्रा होती है। उदाहरण के लिए, 100 ग्राम पनीर में रोजाना की जरूरत का 28% जिंक होता है जबकि एक कप दूध में लगभग 9% होता है।

शरीर को रोजाना कितना जिंक चाहिए

पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है। यदि आप गर्भवती हैं, तो आपको प्रति दिन 11 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी, और यदि आप स्तनपान करा रही हैं, तो आपको 12 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी।

बार-बार बढ़ जाता है बच्चे का टॉन्सिल तो ना करें लापरवाही

बच्चों में टॉन्सिल का इंफेक्शन होना काफी कॉमन है। जिसे लेकर कई बार पैरेंट्स लापरवाही बरतते हैं और ये समस्या बच्चे को लंबे समय तक परेशान करती रहती है। दरअसल, टॉन्सिल एक तरह का फिल्टर है जो गले के आखिरी हिस्से में होता है। ये किसी भी तरह के वायरस और बैक्टीरिया को सीधे गले से शरीर में पहुंचने से रोकता है। अगर ये वायरस गले से अंदर चले जाते हैं जिसकी वजह से टॉन्सिलाइटिस की समस्या हो जाती है। जिसमे टॉन्सिल सूज जाते हैं और गले में तेज दर्द होता है। ये दर्द बोलने, खाना खाने, थूक निगलने में बहुत तकलीफ देता है। जरूरी है कि बच्चे के गले में हो रही इस तरह की परेशानी पर उसे फौरन डॉक्टर के पास ले जाकर इलाज करवाएं और समय पर दवा देने के साथ ही इन बातों का ध्यान रखें।

गले में टॉन्सिल बढ़ने के लक्षण

- गले में तेज दर्द और टॉन्सिल का लाल नजर आना
- बुखार, सिर में दर्द, कान में दर्द
- भूख ना लगना
- थूक निगलने में गले में दर्द होना
- टॉन्सिल पर सफेद या पीला परत दिखना
- गले में छाले और खाना निगलने में दिक्कत
- गर्दन के साथ ही जबड़े में सूजन
- बोलने में परेशानी
- गर्दन में अकड़न

टॉन्सिल बढ़ने पर ना करें ये काम

बच्चे के गले में बार-बार टॉन्सिल उभर आता है तो सबसे पहले उसकी दवाईयों का कोर्स पूरा करें। केवल आराम मिलने से दवा बंद ना करें। जब तक कि डॉक्टर ना बोलें।

- ठंडा पानी बिल्कुल ना पिलाएं।
- ठंडा जूस, कोल्डड्रिंक, आइसक्रीम, ठंडे ड्रिंक से परहेज करें।
- ज्यादा देर तक नहाने ना दें, खासतौर पर रात के वक्त उसे नहलाने से परहेज करें।
- बच्चा अगर खाना खाता है तो उसे दूध और दही बिल्कुल ना दें।
- सिर पर तेल ना लगाएं।
- सीधे एसी, कूलर या पंखे के सामने ना लेटाएं। जिससे कि ठंडी हवा लगे।
- दिन में ना सुलाएं।

टॉन्सिल बढ़ने पर करें ये काम

बच्चे का टॉन्सिल बार-बार बढ़ जाता है तो एक्सपर्ट के सुझाए इन कामों को करें।

- गले में सूजन होने पर गार्गल करवाएं। गुनगुने एक गिलास में एक चुटकी नमक और एक चम्मच हल्दी डालें और गार्गल करवाएं।
- गले, चेहरे और सीने पर कपूर के तेल की मसाज करें।
- सीने में जकड़न महसूस हो तो स्टीम दें।
- गर्म चीज जैसे सूप पीने को दें। इसमे काली मिर्च डालें।
- बहुत ठंडे पानी से ना नहलाएं और सिर के पानी को जल्दी से पोछ दें।

अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है।

सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए इन चीजों को खाने की आदत बनाएं

अगर सुबह अच्छी हो तो सारा दिन अच्छा जाता है। हालांकि, अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है। ऐसे में सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए आप कुछ चीजों को सुबह खाने की आदत बना सकते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज में मेग्नीशियम, कॉपर, जिंक होता है। इस बीज में हाइपोग्लाइसेमिक प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसकी वजह से आपका शुगर लेवल कम हो सकता है। हालांकि, इनमें ट्रिप्टोफन होता है, जो एक एमिनो एसिड ये आपके शरीर में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन बनाता है। ऐसे में आप अपने सुबह इन बीजों को भी खा सकते हैं।

अखरोट

सुबह उठकर अखरोट खाने से आपकी एनर्जी को बूस्ट करने में मदद मिल सकती है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3, जिंक, सेलेनियम, प्रोटीन और विटामिन बी की भरपूर मात्रा भी आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करती है।

खजूर

खजूर खाने के कई सारे फायदे होते हैं। इन्हें खाने से आपको हेल्दी शुगर मिलती है। वहीं इसमें डायट्री फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। इन्हें खाने से पाचन में मदद मिलती है। ऐसे में आप सुबह खजूर खाकर भी अपनी एनर्जी को बूस्ट कर सकते हैं।

बादाम

वेट लॉस के साथ बादाम हड्डियों और आपके मूड के लिए भी अच्छा होता है। यही वजह है कि इसे सुपरफूड कहा जाता है। यह ब्लड फ्लो में एंटीऑक्सिडेंट के स्तर को काफी बढ़ाता है, ब्लड प्रेशर को कम करता है और ब्लड फ्लो में सुधार करता है। आप भीगे हुए बादाम को सुबह खा सकते हैं।

इस बात का रखें ख्याल

जब आप सुबह उठते हैं तो उसके तुरंत बाद ही आपको एक गिलास पानी पीना चाहिए, ऐसा करने से आप पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहते हैं। कई बार सुबह की थकान डिहाईड्रेशन के कारण भी होती है।

तेहरान का रुख सख्त, अमेरिका से सीधे बातचीत से इनकार

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। लावरोव के अनुसार, अमेरिका वेनेजुएला और ईरान जैसे देशों में हस्तक्षेप को भी ऊर्जा संसाधनों और तेल बाजार पर नियंत्रण से जोड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक राजनीति में अब अंतरराष्ट्रीय कानून की बजाय 'शक्ति ही सही है' की सोच हावी होती जा रही है, जिससे संतुलन बिगड़ रहा है।

पाकिस्तान लगातार प्रयास कर रहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई बातचीत को फिर से आगे बढ़ाया जाए और दोनों देशों को एक बार फिर वार्ता की मेज पर लाया जा सके। इस्लामाबाद इस पूरे कूटनीतिक प्रयास का केंद्र बना हुआ है, जहां मध्यस्थता के जरिए तनाव कम करने की कोशिशें जारी हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों की सक्रिय भूमिका के चलते यह प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। पिछले 10-12 दिनों से बातचीत में ठहराव के बावजूद पाकिस्तान दोनों पक्षों के संपर्क में लगातार बना हुआ है और दोनों को फिर से बातचीत के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री की ईरान के विदेश मंत्री के साथ अहम बैठकें होने की संभावना है।

ईंधन संकट के बीच हवाई किराए बढ़ने की आशंका ब्रिटिश एयरवेज की पैरेंट कंपनी इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप ने चेतावनी दी है

कि आने वाले समय में हवाई टिकटों के दाम बढ़ सकते हैं। इसका कारण ईरान के साथ संघर्ष के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य में उत्पन्न स्थिति और तेल की कीमतों में तेजी बताया गया है।

कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के कारण जेट ईंधन की लागत बढ़ रही है, जिसका सीधा असर उड़ानों के खर्च पर पड़ेगा और यात्रियों को अधिक किराया देना पड़ सकता है। यूके मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एयरलाइंस आमतौर पर हेजिंग रणनीति अपनाती हैं, जिसमें वे भविष्य के लिए पहले से तय कीमत पर ईंधन खरीद लेती हैं ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव से बचा जा सके। हालांकि ने माना कि इसके बावजूद वह इस क्षेत्रीय संघर्ष के व्यापक आर्थिक प्रभावों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं है और लागत बढ़ने से बच नहीं सकती।

होर्मुज पर नाकाबंदी खत्म करने की मांगन तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में किसी भी तरह की सीधी बातचीत या बैठक की कोई योजना नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने कहा कि अमेरिका के अधिकारियों से कोई प्रत्यक्ष वार्ता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ईरान अपनी स्थिति और निगरानी संबंधी टिप्पणियां पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिकी प्रतिनिधियों तक पहुंचाएगा। यानी संदेशों का आदान-प्रदान मध्यस्थता के जरिए होगा, न कि आमने-सामने की बातचीत से। ईरानी अधिकारियों के हालिया बयानों से यह साफ है कि उनका रुख पिछले कुछ दिनों से लगातार कठोर बना हुआ है। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या प्रगति तभी संभव है जब कई शर्तें पूरी हों।

तेहरान ने मुख्य रूप से यह शर्त रखी है कि जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाई गई नाकाबंदी हटाई नहीं जाती, तब तक कोई भी वार्ता आगे नहीं बढ़ सकती। ईरान का दावा है कि यह समुद्री अवरोध सीधे संवाद की संभावनाओं को बाधित कर रहा है। इसके अलावा, ईरान ने यह भी कहा है कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की किसी भी तरह की धमकी भरी भाषा या बयानबाजी को स्वीकार नहीं करेगा। साथ ही, होर्मुज क्षेत्र में बढ़ते तनाव और समुद्री गतिविधियों को उसने युद्ध जैसी स्थिति और समुद्री डकैती करार दिया है।

अब तक क्या-क्या घटनाक्रम हुआ- : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान पहुंचे हैं। तेहरान के अनुसार यह वार्ता पाकिस्तान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष रूप से होगी। व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जरेड कुशनर शनिवार सुबह इस्लामाबाद जाएंगे। अमेरिका ने चीन स्थित एक बड़ी तेल रिफाइनरी और करीब 40 कंपनियों व टैंकरों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरानी तेल का परिवहन करते हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि अस्थायी युद्धविराम बढ़ाए जाने के बावजूद शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हमलों में छह लोगों की मौत हुई गाजा में इस्राइली हमलों में कम से कम 12 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें छह पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने इराक से कुवैत पर हुए ड्रोन हमले की निंदा की। कुवैत की सेना ने दावा किया कि इराक से छोड़े गए दो ड्रोन ने उसकी उत्तरी सीमा चौकियों को निशाना बनाया। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जीसीसी के महासचिव जासेम मोहम्मद अलबुदैवी ने कहा कि यह हमला पड़ोसी देशों के बीच अच्छे संबंधों के सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है।

समुद्री नाकाबंदी से बढ़ा तनाव: अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस राफेल पेराल्टा ने ईरानी जहाज को रोका

फ्लोरिडा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की है कि अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस राफेल पेराल्टा ने एक ईरानी झंडे वाले जहाज को समुद्र में रोक दिया है। यह कार्रवाई एक विशेष समुद्री मिशन के तहत की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी नौसेना के अनुसार, 24 अप्रैल को इस जहाज की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह जहाज ईरान के बंदरगाह की ओर जा रहा था, जिसके बाद उसे रोकने का निर्णय लिया गया। इसके बाद अमेरिकी युद्धपोत ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जहाज को रोका और बोर्डिंग के जरिए उसकी जांच शुरू की।

अमेरिकी अधिकारियों ने इस कार्रवाई को व्यापक समुद्री अभियान का हिस्सा बताया है। शुक्रवार को पेंटागन में हुई ब्रीफिंग के दौरान जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सख्त समुद्री नाकाबंदी नीति लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना किसी भी स्थिति में बड़े सैन्य अभियान को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, यदि राष्ट्रपति का आदेश मिलता है।

जनरल केन ने बताया कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर

प्रतिबंधित और 'डार्क फ्लीट' जहाजों पर कार्रवाई कर रहा है। यह अभियान 8 अप्रैल से शुरू हुआ था। अब तक 34 जहाजों को रोका जा चुका है, जिनमें से कई ने अमेरिकी चेतावनी के बाद वापस लौटने का फैसला किया।

अमेरिकी सेना ने हाल ही में मोटर वेसल तोस्का को भी जब्त किया था। चेतावनी के बावजूद जब जहाज नहीं रुका तो अमेरिकी मरीन ने हेलीकॉप्टर के जरिए तेजी से कार्रवाई करते हुए जहाज पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इसके अलावा 20 अप्रैल को टैंकर को रोका गया, जिसमें कथित रूप से प्रतिबंधित ईरानी तेल मौजूद था। वहीं 22 अप्रैल को इंडियन ओशन में एक और जहाज को भी जब्त किया गया।

सेंटकॉम ने साफ किया है कि किसी भी देश का जहाज यदि ईरान के बंदरगाहों की ओर जाता है या वहां से निकलता है, तो उसे रोका जाएगा। अमेरिकी सेना लगातार ऐसे जहाजों पर नजर रख रही है जो इस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हैं।

ब्रीफिंग के दौरान जनरल डैन केन ने 1983 में बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हुए बम हमले का भी उल्लेख किया और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना अपने कर्मियों की बहादुरी और समर्पण को हमेशा याद रखती है और वर्तमान अभियानों में शामिल सैनिकों पर गर्व करती है।

पीएम मोदी हैं संगठन के सबसे अच्छे प्रतिनिधि, होसबाले का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगठन के मूल्यों को अपने अनोखे और अलग तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को आरएसएस का सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताया। अमेरिका में समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू के दौरान होसबाले ने कहा कि आरएसएस ने अगले 25 वर्षों के लिए सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरूकता, नागरिक अनुशासन, पारिवारिक मूल्यों और सतत विकास जैसे पांच प्रमुख लक्ष्य तय किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कई सरकारी अभियानों के जरिए इन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं, भले ही वे अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों। उदाहरण देते हुए उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं का जिक्र किया। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस के विचार स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए पंच प्रण में भी दिखाई देते हैं। उनके अनुसार, ये सभी पहल संगठन की सोच से मेल खाती हैं। उन्होंने कहा कि 1980 में भाजपा के गठन के समय भी आरएसएस के साथ संबंध बनाए रखने की बात कही गई थी और यह जुड़ाव आज भी कायम है। होसबाले ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक नेतृत्व भी प्रदान करेगा।

यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने रूस के खिलाफ छेड़ा युद्ध', विदेश मंत्री सर्गेई ने यूरोप पर साधा निशाना

वैश्विक खतरा तीसरी बार यूरोप से पैदा हो रहा है

कीव, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लावरोव ने यह बयान रूसी गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया। उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता। उनके मुताबिक, रूस के खिलाफ यह संघर्ष अब केवल परोक्ष नहीं बल्कि खुला और संगठित अभियान बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि कुछ यूरोपीय सैन्य अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से रूस के खिलाफ युद्ध की तैयारी की बात कही है, जबकि यूक्रेन इस बीच पश्चिमी देशों के लिए समय जुटाने का माध्यम बना हुआ है। लावरोव ने कहा कि यूरोप की मौजूदा नीतियां वैश्विक अस्थिरता को बढ़ा रही हैं।

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि आधुनिक इतिहास में तीसरी बार वैश्विक खतरा यूरोप से पैदा हो रहा है। उनका आरोप था कि पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन को बड़े संघर्ष का केंद्र बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता

है। धार्मिक मुद्दों पर भी लावरोव ने पश्चिम और यूक्रेन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च के खिलाफ कई वर्षों से कार्रवाई जारी है। चर्चों पर कब्जे, तोड़फोड़, पादरियों और श्रद्धालुओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वहां 180 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कई वरिष्ठ धर्मगुरु भी शामिल हैं। इसी बीच यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो के बड़े सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी है। इस राशि में 30 अरब यूरो यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए और 60 अरब यूरो रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सैन्य उपकरण खरीदने के लिए खर्च किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि यूरोप यूक्रेन के समर्थन में पूरी तरह एकजुट है और पीछे नहीं हटेगा। साथ ही यूरोपीय परिषद ने रूस पर 20वें प्रतिबंध पैकेज को भी मंजूरी दी है, जिसका मकसद मॉस्को की आर्थिक और सैन्य क्षमता पर दबाव बढ़ाना है।

अमेरिका पर भी लगाए गंभीर आरोप: लावरोव ने अमेरिका पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र या सुरक्षा के नाम पर दखल देता है, लेकिन असली मकसद प्राकृतिक संसाधनों, खासकर तेल और ऊर्जा बाजारों पर नियंत्रण हासिल करना होता है। उन्होंने ईरान और वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि वॉशिंगटन अपनी रणनीतिक जरूरतों के लिए सरकारें बदलने तक से पीछे नहीं हटता। रूसी मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून की ताकत कमजोर होती जा रही है और दुनिया जिसकी ताकत, उसी की बात के सिद्धांत की ओर बढ़ रही है। इस बीच अमेरिका ने पुष्टि की है कि उसके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर पाकिस्तान पहुंचकर ईरानी प्रतिनिधियों के साथ नए दौर की बातचीत करेंगे। माना जा रहा है कि यह वार्ता पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, परमाणु मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात से जुड़ी हो सकती है।

ईरान के साथ जारी तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अमेरिका ने उतारी बड़ी सेना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी बड़ी सेना उतारी हुई है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर पश्चिम एशिया में तैनात अपने युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों समेत सैनिकों आदि की जानकारी साझा की है। इससे साफ है कि अमेरिका, ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति बना रहा है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया है कि उनके तीन शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस लिंकन, यूएसएस फोर्ड और यूएसएस बुश पश्चिम एशिया में तैनात हैं। इनके साथ 200 लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-18 और सुपर हॉर्नेट जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। साथ ही अमेरिका ने 18जी ग्रोलर विमान भी तैनात किए हैं, जो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर एयरक्राफ्ट हैं। साथ ही अमेरिका ने एफ-35सी लड़ाकू विमान, हॉकआई अर्ली वार्निंग विमान, सी हॉक हेलीकॉप्टर और डिलीवरी एयरक्राफ्ट सीएमवी ओस्प्रे शामिल हैं। साथ ही समुद्री ताकत की बात करें तो अमेरिकी सेना ने निमित्ज क्लास और फोर्ड क्लास के एयरक्राफ्ट कैरियर समेत 12 युद्धक जहाज भी तैनात किए हैं। इनके साथ अमेरिका के 15 हजार नाविक और मरीन्स भी तैनात हैं। साल 2003 के बाद पहली बार अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में तीन युद्धपोत तैनात किए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम चल रहा है। हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नाकाबंदी की हुई है। जिससे तनाव बना हुआ है और शांति वार्ता की कोशिशें जारी हैं।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची इस्लामाबाद दौरे पर हैं और अमेरिका और इस्राइल के साथ तनाव खत्म करने को लेकर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची एक कूटनीतिक दल के साथ पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा करेंगे। इन यात्राओं का उद्देश्य इन देशों के साथ आपसी मुद्दों पर बेहतर तालमेल बनाना और क्षेत्र में चल रही ताजा परिस्थितियों पर चर्चा करना है। अराघची अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं करेंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान की फिलहाल अमेरिका के साथ बातचीत करने की कोई योजना नहीं है और इस्लामाबाद ही संपर्क माध्यम के रूप में ईरान की बात अमेरिका तक पहुंचाएगा।

आईटी पेशेवरों को लग सकता है बड़ा झटका: तीन साल के लिए एच-वीबी वीजा पर रोक की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नया बिल पेश हुआ है जो एच-1बी वीज़ा पर 3 साल की रोक लगाने का प्रस्ताव देता है। इसके साथ ही वीज़ा सिस्टम में बड़े बदलाव जैसे सालाना कोटा घटाना, सैलरी थ्रेशोल्ड बढ़ाना और सख्त नियम लागू करना भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के नाम पर उठाया गया है, लेकिन इसका सीधा असर हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स और छात्रों पर पड़ सकता है, जो स में काम या पढ़ाई का सपना देख रहे हैं। क्रेन ने कहा, संघीय सरकार को मेहनती नागरिकों के लिए काम करना चाहिए, न कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मुनाफे के लिए। हम अमेरिकी जनता के प्रति जवाबदेह हैं कि एच-1बी प्रणाली को विफल होने से रोकें ताकि वे उन नौकरियों से वंचित न रह जाएं, जिनके लिए वे योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक 'रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करेगा, वीजा प्रक्रिया में प्रोटोकॉल को मजबूत करेगा और अमेरिकियों को रोजगार देने के लिए प्राथमिकता देगा। इस विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित कई रिपब्लिकन लॉ-मेकर्स का समर्थन प्राप्त हुआ है। ब्रैंडन गिल ने कहा, मुझे प्रतिनिधि एली क्रेन के एच-1बी वीज़ा प्रणाली में सुधार और उसे और सख्त बनाने के प्रयासों का सह-

● आईटी पेशेवरों की होगी दिक्कत

प्रायोजक होने पर गर्व है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी आप्रवासी प्रणाली विदेशियों से पहले अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता दे। इस विधेयक में व्यापक बदलाव प्रस्तावित हैं। यह वार्षिक एच-1बी सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 कर देगा और छूटों को समाप्त कर देगा। यह लॉटरी प्रणाली को वेतन-आधारित चयन प्रक्रिया से बदल देगा और न्यूनतम वेतन 200,000 डॉलर प्रति वर्ष निर्धारित करेगा।

नियोक्ताओं को यह प्रमाणित करना होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कामगार नहीं मिल पा रहा है और यह पुष्टि करनी होगी कि उन्होंने छंटनी नहीं की है। यह विधेयक एच-1बी कामगारों को एक से अधिक नौकरियां करने से भी रोकेगा और तृतीय-पक्ष भर्ती एजेंसियों को उन्हें नियुक्त करने से प्रतिबंधित करेगा। अन्य प्रावधानों में एच-1बी कामगारों द्वारा आश्रितों को लाने पर प्रतिबंध, वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम को समाप्त करना और वीजा धारकों को स्थायी निवास में परिवर्तित होने से रोकना शामिल है।

पॉल गोसर ने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग अमेरिकी कामगारों को सस्ते विदेशी श्रम से बदलने के लिए किया गया है। यह विधेयक उस व्यवस्था पर अंकुश लगाता है जो हमारे ही लोगों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है और अमेरिकी नौकरियों को फिर से प्राथमिकता देता है। ओगल्स ने कहा, अमेरिकी कामगारों की जगह सस्ते विदेशी श्रम का इस्तेमाल हो रहा है। हम निगमों के आगे नहीं झुकेंगे और न ही अमेरिकियों को अपने ही देश में पराया बनने देंगे। एच-1बी घोटाले को खत्म करो। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि गैर-आप्रवासी वीजा अस्थायी ही रहेंगे, इसके लिए वीजा धारकों को दूसरे वीजा स्टेटस में बदलने से पहले अमेरिका छोड़ना होगा और संघीय एजेंसियों को ऐसे कामगारों को प्रायोजित करने से रोका जाएगा। इमिग्रेशन अकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट की सह-संस्थापक रोज़मेरी जेनक्स ने इसे 'संसद में अब तक पेश किया गया सबसे मजबूत एच-1बी विधेयक' बताया। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी लोगों को एच-1बी वीजा एक अल्पकालिक वीजा के रूप में बेचा गया था, ताकि अमेरिकियों को उन नौकरियों के लिए प्रशिक्षित करते समय अस्थायी श्रम की कमी को पूरा किया जा सके। यह विधेयक इसे हकीकत बनाता है।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों, खासकर प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में विदेशी कामगारों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। भारतीय नागरिक ऐतिहासिक रूप से इन वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी रहे हैं।

जेके मैक्स पेंट्स ने किया नए कैंपेन का अनावरण मैक्स करो, रिलेक्सकरो अक्षय कुमार के साथ फिल्माया नया विज्ञापन

जेके सीमेंट लिमिटेड की समृद्ध विरासत एवंउत्कृष्टता से प्रेरित जेके मैक्स पेंट्स ने अपने नए ब्राण्ड कैंपेन मैक्स करो,रिलेक्स करो, का लॉन्च किया है। पहली बार विज्ञापन में ब्राण्ड अम्बेसडरअक्षय कुमार नज़र आएंगे। यह बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार केएसोसिएशन में ब्राण्ड के विकास का अगला चरण है, जो उनके मुख्य प्रोडक्टजेके वॉलमैक्स पुट्टी द्वारा बनी मजबूत नींव पर रोशनी डालता है। और एकऐसी कहानी के ज़रिए ब्राण्ड के मुख्य वादे को जीवंत करता है जो दर्शकों केसाथ आसानी से जुड़ सके, उन्हें लुभा सके। यह कैंपेन उपभोक्ताओं की एक सबसे आम समस्या को समझते हुए उसे हलकरता है, घर की पेंटिंग से जुड़ा तनाव और उलझन। हर घर की समस्या होनेके बावजूद अक्सर इसे नज़रअंदाज़ किया जाता है। सही प्रोडक्ट चुनने सेलेकर टिकाउपन, फिनिश और लम्बे चलने वाले परफोर्मेन्स तक उपभोक्ताओंके लिए पूरी प्रक्रिया बेहद मुश्किल होती है। मैक्स करो, रिलेक्स करो कैंपेन के साथ जेके मैक्स ने एक ऐसे ब्राण्ड के रूप में अपने आप को मजबूतीसे स्थापित कर लिया है, जो बेहतरीन परफोर्मेन्स देने वाले भरोसेमंदसमाधानों के साथ इस यात्रा का आसान बना देता है तथा उपभोक्ताओं कोआत्मविश्वास के साथ सही विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाता है और पेंटके बाद उपभोक्ताओं को मिलती हैं खूबसूरत दीवारें, जिनका पेंट लम्बे समयतक चलता है।

अक्षय कुमार बने क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के ब्रांड एंबेसडर

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ('क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन'), जो भारत की शोध-आधारित कृषि समाधान कंपनियों में से एक है, ने अक्षय कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस साझेदारी के अवसर पर, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन' ने अक्षय कुमार के साथ अपना पहला राष्ट्रीय ब्रांड कैपेंन देश का किसान, देश का असली हीरो भी लॉन्च किया, जो भारत के किसानों के योगदान और उनके रोज़मर्रा के साहस को समर्पित है। यह साझेदारी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की भारतीय कृषि के प्रति तीन दशकों की मजबूत प्रतिबद्धता को अक्षय कुमार के प्रभाव के साथ जोड़ती है। इस सहयोग के माध्यम से कंपनी का उद्देश्य भारत के किसानों के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ करना, उन्हें उन्नत समाधानों को अपनाने के लिए प्रेरित करना और खेती की लाभप्रदता बढ़ाने में सहायता प्रदान करना है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के एक्ज़िक्यूटिव चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, अंकुर अग्रवाल ने कहा, अक्षय कुमार दृढ़ता, अनुशासन और एक गहन उद्देश्य की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसे मूल्य जो क्रिस्टल के सिद्धांतों से पूरी तरह मेल खाते हैं। यह साझेदारी हमारे लिए एक राष्ट्रीय आइकन को देश के अन्नदाता, हमारे किसानों, से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। हमारे लिए किसान सिर्फ़ एक हितधारक नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार हैं।

सैमसंग इंडिया लेकर आया शानदार सैमसंग फाइनेंस+ ऑफर्स; भारत के 8000+ स्टोर्स पर मात्र 33 रुपये प्रति दिन में खरीदें बीस्पोक एआई अप्लायंसेज

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया अपने स्मार्ट होम अप्लायंसेज को देश भर के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए सैमसंग फाइनेंस+ के तहत नई योजनाएं लेकर आया है। अब उपभोक्ता सैमसंग के रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एसी और माइक्रोवेव जैसे उपकरण खरीदने के लिए आसान फाइनेंसिंग समाधानों का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा देश भर के 8,000 से अधिक स्टोर्स पर उपलब्ध है। सैमसंग फाइनेंस+ का 'ईज़ी ईएमआई फॉर ऑल' विकल्प खरीदारी की प्रक्रिया को आसान बनाता है। ग्राहक पूरी तरह से डिजिटल और बिना कागज़ी झंझट वाली इस प्रक्रिया से मात्र पांच मिनट में फाइनेंस अप्रूवल पा सकते हैं। ईएमआई के विकल्प मात्र 33 रुपये प्रति दिन से शुरू होते हैं। यह समाधान पहली बार लोन लेने वाले उन लोगों के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त है जिनका कोई क्रेडिट इतिहास नहीं है। इस लॉन्च का जश्न मनाने के लिए, कंपनी सैमसंग फाइनेंस+ के माध्यम से की गई खरीदारी पर 1,000 रुपये का सीमित समय के लिए विशेष कैशबैक भी दे रही है।

सुदर्शन-शुभमन ने तोड़ा रोहित-ईशान का बड़ा रिकॉर्ड

गुजरात ने चेपॉक में चेन्नई को आठ विकेट से हराया

मुंबई। गुजरात टाइटंस ने चेपॉक में चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में साई सुदर्शन और शुभमन गिल की जोड़ी ने 50+ साझेदारियों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए रोहित शर्मा और ईशान किशन की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया।

गुजरात ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेपॉक में चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 74 रन की बेहतरीन पारी खेली। जवाब में गुजरात ने साई सुदर्शन के 87 रन के दम पर जीत हासिल की। सुदर्शन के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 33 रन और जोस बटलर ने नाबाद 39 रन बनाए।

अंक तालिका का मौजूदा हाल

इस जीत के साथ गुजरात की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ आठ अंक लेकर पांचवें स्थान पर आ गई है। वहीं, चेन्नई की टीम आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार के साथ छठे स्थान पर है। गुजरात का अगला मैच 30 अप्रैल को अहमदाबाद में आरसीबी से है। वहीं, सीएसके की टीम दो मई को चेपॉक में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

चेन्नई की पारी

गुजरात के खिलाफ इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट गंवाकर 158 रन बनाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का बल्ला आखिरकार चला और वह 60 गेंद में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा सीएसके का कोई बल्लेबाज नहीं चला। पावरप्ले में सीएसके ने तीन विकेट गंवाकर 28 रन बनाए थे। वहीं, टीम 50 रन 12वें ओवर जाकर पूरी कर सकी। संजू सैमसन 11 रन, उर्विल पटेल चार रन और इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे सरफराज खान खाता खोले बिना आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस भी दो ही रन बना सके। इसके बाद ऋतुराज ने शिवम दुबे के साथ 43 गेंद में 59 रन की साझेदारी निभाई। दुबे 17 गेंद में 22 रन बना सके।

वहीं, जेमी ओवरटन ने छह गेंद में 18 रन बनाए। कार्तिक शर्मा नौ गेंद में 15 रन बना सके। गुजरात की ओर से रबाडा ने तीन विकेट और अरशद खान ने दो विकेट झटके। इसके अलावा सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला। राशिद खान ने सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और आईपीएल इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ।

संजू ने 3555 बॉल पर 5 हजार रन पूरे किए

संजू सैमसन ने आईपीएल में अपने 5 हजार रन पूरे कर लिए। ष्स्च्य के खिलाफ उन्होंने 3,555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की, जो तीसरा सबसे तेज 5 हजार रन हैं। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स नंबर 1 पर हैं, जिन्होंने सिर्फ 3288 गेंद खेली थी। डेविड वॉर्नर 3554 गेंद के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

ब्रीफ न्यूज

लंदन मैराथन का 46वां संस्करण आज:59 हजार धावक उतरेंगे

लंदन। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित दौड़ों में शामिल लंदन मैराथन का 46वां संस्करण रविवार को आयोजित होगा। इसमें 59 हजार से ज्यादा धावक हिस्सा लेंगे। इसी दौड़ में 88 साल के धावक हैरी न्यूटन यह साबित करने उतरेंगे कि दौड़ना सिर्फ युवाओं के लिए नहीं है। हैरी 'लंदन मैराथन' के सबसे बुजुर्ग एथलीट हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि मैकल्सफील्ड के रहने वाले और पेशे से दुकानदार हैरी ने 57 साल की उम्र में अचानक ही दौड़ना शुरू किया था। वे अब तक 31 मैराथन पूरी कर चुके हैं, जिनमें से 21 सिर्फ लंदन मैराथन हैं। उनका जज्बा ऐसा है कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान जब बाहर निकलना मना था, तब उन्होंने अपने घर के बगीचे के ही 461 चक्कर लगाकर एक मैराथन की दूरी पूरी कर ली थी। पहली बार मैराथन में हिस्सा लेने वाले नर्वस युवाओं को वे एक बेहद सीधी सलाह देते हैं– 'शुरुआत में बहुत तेज दौड़ने की कोशिश न करें, अपनी रफ्तार एक समान रखें और दौड़ने से पहले फ्रेश जरूर हो लें।'

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका: चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

शाम 7 :30 बजे से शुरू होगा मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडिमय में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा। दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा।

लखनऊ और कोलकाता मैच सुपर ओवर में पहुंचा

शमी ने आखिरी बॉल पर सिक्स लगाया; कोलकाता ने 156 का टारगेट दिया था

इकाना। लखनऊ कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 38वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 156 रन का टारगेट दिया है। इकाना स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 155 रन ही बना सकी।

जवाब में लखनऊ ने 19.4 ओवर में 8 विकेट पर 149 रन बना लिए हैं। मोहम्मद शमी और दिग्वेश राठी पिच पर हैं। पंत को 42 रन पर सुनील नरेन ने पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श को 2 रन पर वैभव अरोड़ा ने आउट किया। ग्रीन ने ऐडन मार्करम को 31 रन पर रिंकू के हाथों कैच कराया। निकोलस पूरन को वरुण चक्रवर्ती ने आउट किया। अनुकूल ने मुकुल को एक रन पर आउट किया।

कोलकाता की शुरुआत खराब रही और टीम ने 93 रन में ही 7 विकेट गंवा दिए। इसके बाद रिंकू सिंह ने पारी संभाली और 51 बॉल पर 83 रन बनाए। यह उनके आईपीएल करियर की सबसे बड़ी पारी रही। उन्होंने आखिरी ओवर में 4 सिक्स लगाए। पारी में 7 चौके और 5 सिक्स लगाए। कैमरन ग्रीन ने 34 रन का योगदान दिया। लखनऊ के लिए मोहसिन खान ने 5 विकेट झटके। उन्होंने कैमरन ग्रीन, अनुकूल रॉय, रोवमन पॉवेल, टिम साइफर्ट और अजिंक्य रहाणे को पवेलियन भेजा। वहीं रमनदीप सिंह को जॉर्ज लिंडे ने आउट किया। कोलकाता के अंगकृष रघुवंशी 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' के तहत आउट हुए। रन लेते समय थ्रो उनके शरीर से टकराया और अंपायर ने इसे जानबूझकर गेंद के रास्ते में आने का मामला मानते हुए आउट दे दिया। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड क्या होता है?

जब कोई बल्लेबाज जानबूझकर या अपने मूवमेंट से फील्डिंग टीम की थ्रो में बाधा डालता है, जैसे गेंद की लाइन में आना, थ्रो को रोकना या दिशा बदलकर फील्डर को परेशान करना, तो उसे 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' आउट दिया जा सकता है। अगर अंपायर को लगता है कि बल्लेबाज ने जानबूझकर ऐसा किया है, तो ,बिना गेंद विकेट पर लगे भी उसे आउट करार दिया जा सकता है।

चौथी बार कोई बल्लेबाज ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड आउट

अंगकृष रघुवंशी आईपीएल में ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले यूसुफ पठान (2013), अमित मिश्रा (2019) और रवींद्र जडेजा (2024) इस नियम के तहत आउट हो चुके हैं।

हिम्मत आउट, रिंकू ने पकड़ा चौथा कैच

ओवर में कार्तिक त्यागी की शॉर्ट गेंद पर हिम्मत ने लेग साइड में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी तरह हाथ नहीं खोल पाए और गेंद डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर चली गई।

भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को हराया

दीप्ति ने 36 रन बनाए और 5 विकेट भी लिए, अफ्रीका सीरीज में 3-1 सं आगे

नईदिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चौथे टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका को 14 रन से हरा दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है। पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में वह 3-1 से आगे है। जोहान्सबर्ग में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा जीत की स्टार रहीं। उन्होंने बल्ले से 36 रन बनाने के बाद गेंदबाजी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके। दीप्ति शर्मा की फॉर्म में वापसी, ऋचा घोष के साथ की 65 रन की पार्टनरशिप मैच से पहले सबकी नजरें दीप्ति शर्मा की फॉर्म पर थीं। उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए 26 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। जब टीम 120 रन पर 5 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब दीप्ति और ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए नाबाद 65 रनों की साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत 185 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच पाया। ऋचा घोष ने भी अंत में तेज तर्रार पारी खेली। मंधाना को आराम, अनुष्का शर्मा ने ओपनिंग की नियमित उप-कप्तान स्मृति मंधाना को इस मैच में आराम दिया गया था। उनकी जगह अनुष्का शर्मा को ओपनिंग का मौका मिला। अनुष्का ने शानदार शुरुआत की और 18 गेंदों में 27 रन बनाए।

एनगिडी को अस्पताल से छुट्टी:सभी स्कैन नॉर्मल

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को अस्पताल से शनिवार देर रात ही छुट्?टी दे दी गई। एनगिडी शनिवार को दिल्ली में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह एक कैच लेने की कोशिश में हवा में उछले और अनियंत्रित होकर सिर के बल जमीन पर गिर पड़े थे। जांच में उनकी रीढ़ की हड्डी या दिमाग में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई है। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी है। अस्पताल में सीटी स्कैन और टेस्ट, हालत स्थिर एनगिडी के अस्पताल में न्यूरोसर्जन की देखरेख में टेस्ट और सीटी स्कैन किए गए। डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उनके स्पाइन और सिर में कोई इंटरनल इंजरी नहीं है। कुछ घंटों के ऑब्जर्वेशन के बाद हालत स्थिर पाई गई और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। वे टीम होटल लौट आए हैं।

ब्रिटेन में महिलाओं के सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई ब्रिगटन व होव अलबियन और मैनचेस्टर सिटी की खिलाड़ी।

डेनमार्क से हार के बाद वापसी की; सिंधु-तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला

उबेर कप में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराया

दिल्ली। डेनमार्क के होर्सेंस में खेले जा रहे उबेर कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी।

पहले मैच में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी की। इस जीत के साथ ही भारत अब सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन चीन से भिड़ेगा, जो क्वार्टर फाइनल की राह तय करने के लिए बेहद अहम होगा।

डबल्स में मिला-जुला रहा प्रदर्शन, सिंधु-तनीषा की जोड़ी जीती

भारत को इकलौती हार पहले महिला डबल्स मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी यूक्रेन की बुहरोवा और कांटेमिर के सामने नहीं टिक सकी और 11-21, 17-21 से मैच हार गई।

हालांकि, आखिरी मैच में पीवी सिंधु और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने भारत का दबदबा कायम रखा। उन्होंने सोफिया लावरोवा और स्टोलियारेन्को को 21-18, 21-15 से हराकर स्कोरलाइन 4-1 कर दी।

अब चीन से टक्कर, क्वार्टर फाइनल के लिए जीत जरूरी

यूक्रेन पर जीत के बाद अब भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ग्रुप्‌ में भारत का अगला और आखिरी मुकाबला सोमवार को चीन से होगा। चीन इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है।

भारत को नॉकआउट स्टेज यानी क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए चीन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक, ग्रुप की टॉप दो टीमें ही अगले दौर में पहुंचेंगी।

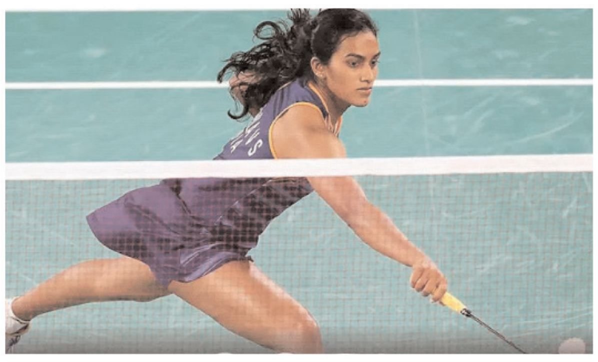

देविका सिहाग ने पक्की की जीत

इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला। देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23–21, 21–13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3–0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने अपने- अपने मैच जीते

भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तहत बेमेतरा जिला में 'टेली मानस' और 'टोरेंट प्रोजेक्ट' से घर बैठे मिल रही नि:शुल्क परामर्श सुविधा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

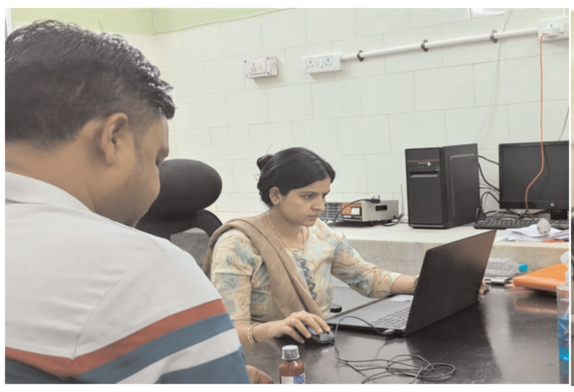

वर्तमान में भागदौड़ भरी जीवनशैली और बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य आज सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए बेमेतरा जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के दिशा-निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बेमेतरा के माध्यम से 'टेली मानस' सेवा के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 'टेली मानस' भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी पहल है. जिसका पूरा नाम टेली मेंटल हेल्थ असिस्टेंस एंड नेटवर्किंग अक्रॉस स्टेट्स है। इस सेवा के माध्यम से जिले का कोई भी व्यक्ति घर बैठे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकता है। यह सुविधा पूरी तरह गोपनीय है और 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध रहती है। इसी कड़ी में जिला नोडल अधिकारी डॉ चंद्रकिरण राजपूत द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बेंगलुरू स्थित निमहांस के समन्वय से जिले में 'टोरेंट प्रोजेक्ट' का भी सफल संचालन किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत जिले के आर एम ओ, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), एवं आर एच ओ को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें मानसिक रोगों की पहचान एवं स्क्रीनिंग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित, सीएचओ,आर एच ओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सघन मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अभियान संचालित कर सफल संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे द्वारा किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जिले के लगभग सात हजार पांच सौ नागरिकों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जांच की जा चुकी है। वही लगभग आठ सौ लोगों को टेली मानस सेवा प्रदान किया जा चुका है,विशेषज्ञों के अनुसार तीव्र तनाव का आवेग कई बार अल्प समय के लिए आता है, लेकिन यदि समय रहते परामर्श न मिले तो व्यक्ति गंभीर कदम उठा सकता है। ऐसे में किसी भी प्रकार की मानसिक परेशानी, घबराहट या आत्मघाती विचार आने पर तुरंत सहायता लेना जरूरी है। कोई भी नागरिक निःशुल्क नंबर 14416 या 1800-891-4416 टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

9 मई को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत, तैयारी के संबंध मे बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी नेशनल लोक अदालत (9 मई 2026) के सफल आयोजन को लेकर अधिवक्ता कक्ष, बेमेतरा में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक में यह बताया गया कि लोक अदालत का उद्देश्य आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रकरणों का निराकरण करना है, जिसमें न किसी की हार होती है और न ही जीत। पक्षकारों के बीच राजीनामा कर विवादों का समाधान किया जाता है, जिसमें अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। अधिवक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे प्रकरणों का नियमित पर्यवेक्षण करते हुए अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत के माध्यम से सुलझाने में सहयोग करें। विशेष रूप से प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में बीएसएनएल, विद्युत विभाग, नगर पालिका, बीमा कंपनी एवं बैंकों से संबंधित मामलों के साथ-साथ चेक बाउंस, भरण-पोषण एवं राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों के निराकरण पर जोर दिया गया। यह भी जानकारी दी गई कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय बेमेतरा के साथ-साथ साजा स्थित तालुका न्यायालय में भी किया जाएगा। पूर्व की तरह इस बार भी अधिक से अधिक राजस्व प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

दो करोड़ की लागत से बनाए इंटकवेल, नहीं मिल रहा बूंदभर पानी, पहले की टंकी हुई बेकार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

शहर के नैला स्थित वार्ड नंबर 1 के लोगों को इस भीषण गर्मी में भी पीने के लिए बूंदभर पानी नहीं मिल पा रहा है। जबकि आज से छह माह पहले ही नैला के वार्ड नंबर एक में 2 करोड़ रुपए की लागत से संपवेल का निर्माण किया गया है। लेकिन अब तक इस सिस्टम से पाइप लाइन का विस्तार नहीं किया गया है। पाइप लाइन विस्तार का काम भी मंथर गति से हो रहा है। इसके चलते वार्ड के लोगों को इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए मोहताज होना पड़ रहा है। वार्ड के लोगों का कहना है कि यदि पीने के पानी के लिए सरकार जब करोड़ों रुपए खर्च कर रही है तो पीने के पानी के लिए भी नल कनेक्शन का विस्तार करना चाहिए।गौरतलब है कि नवंबर 2025 में नगरपालिका जांजगीर नैला ने नैला के वार्ड नंबर 1 में एक करोड़ 94 लाख रुपए की लागत से संपवेल का निर्माण किया है। संपवेल बनाने के पीछे प्रमुख वजह नैला क्षेत्र में घर घर में पानी देना था। ताकि गर्मी के दिनों में जलापूर्ति हो सके, लेकिन इन दिनों भीषण गर्मी में भी इस संपवेल योजना का लाभ वाड के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में नगरपालिका का कहना है कि लोग नल कनेक्शन लेंगे तो पानी मिलेगी। वहीं नल कनेक्शन लेने के लिए लोग नगरपालिका में आवेदन दे रहे हैं, लेकिन उन्हें तारीख दी जा रही है। नगरपालिका के वार्ड नंबर एक के पार्षद ने शिकायत की है कि संपवेल निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। पार्षद ने आरोप लगाया है कि संपवेल निर्माण से उसके घर में पानी सीपेज की समस्या आ रही है। शुक्र है उसके घर की नींव मजबूत है नहीं तो उसका घर भरभराकर गिर जाता। इसके लिए उसने ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं वार्ड के लोगों का भी कहना है कि संपवेल निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। वहीं पाइप लाइन विस्तार में भी तय मानकों का पालन नहीं किया गया है। इससे पाइप लाइन भविष्य में फटने से इनकार नहीं किया जा सकता।

> संपवेल निर्माण में गुणवत्ता की शिकायत हमारे पास आई थी। इसकी जांच की जा रही है। वार्ड नंबर एक में पानी की समस्या से निजात दिलाने भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं
>
> **- विक्रण भगत, सीएमओ**

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 61 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में मिली जितेन्द्र को राहत, बना निवास प्रमाण पत्र'ऑन-द-स्पॉट परीक्षण, सुशासन 2025 में मिला था निवासी का प्रमाणित दस्तावेज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

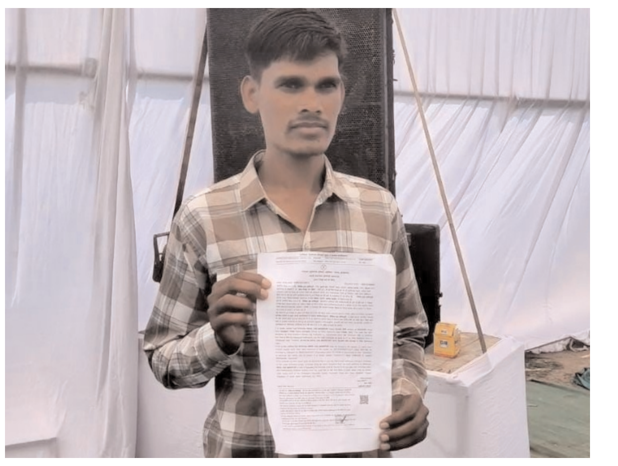

छत्तीसगढ़ में गत वर्ष चलाए गए सुशासन तिहार से अनेकों नागरिकों को अपनी समस्या से निजात पाने का सुनहरा अवसर मिला था।

नागरिकों को अपनी समस्याओं से निजात मिलने से खुशहाली की दौर का आगाज हुआ था। उल्लेखनीय है कि ÷सुशासन तिहार-2025÷ की गूंज हर गांव-शहर तक पहुंची थी। इसी अभियान के तहत बेमेतरा जिले में 5 मई से समाधान शिविरों का आयोजन किया गया था। जिसमें आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने का प्रयास किया गया था। इसी क्रम में गत 8 मई 2025 को नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत मूरता में आयोजित समाधान शिविर में जितेन्द्र मानिकपुरी ने भी अपनी समस्या लेकर आया था । जितेन्द्र लंबे समय से निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशान था। हर बार कोई न कोई कारण आड़े आता और उनका काम अधूरा रह जाता था। लेकिन जब उन्होंने सुना कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, तो वे आशान्वित होकर मूरता शिविर पहुंचा था। 'राजस्व विभाग के स्टॉल पर जितेन्द्र ने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया और सोचा कि हमेशा की तरह बाद में प्रक्रिया चलेगी। लेकिन तभी अधिकारी ने उन्हें रोका और तुरंत उनसे जरूरी जानकारी ली।

मोबाइल के जरिए ऑन-द-स्पॉट परीक्षण किया गया और चंद मिनटों में उनका निवास प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया।

सभापति जिला पंचायत श्रीमती अंजु बघेल ने स्वयं जितेन्द्र को प्रमाण पत्र सौंपा था। जितेन्द्र की खुशी का ठिकाना नहीं था।' उन्होंने कहा, ÷मुझे उम्मीद नहीं थी कि इतने कम समय में मेरा काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन का दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया है ।÷यह कहानी सुशासन तिहार की सफलता की गवाही देती है, जहां शासन-प्रशासन आम जनता के दरवाजे तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करता है।

प्रिया की मुस्कानः सुशासन तिहार की सौगात, सुशासन तिहार बना उम्मीद की किरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2025 ने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को आवेदन देने के तुरंत बाद ही समाधान पाने का सुनहरा अवसर मिला। इसी का एक जीवंत उदाहरण बेमेतरा जिले की निवासी श्रीमती प्रिया खिलवाड़े की कहानी है, जिनके जीवन में इस अभियान ने नई रोशनी भर दी।

एक कॉल ने बदल दी जिंदगी–30 अप्रैल 2025 का दिन प्रिया के लिए अविस्मरणीय बन गया। जब उनके मोबाइल पर जिला खाद्य अधिकारी का फोन आया और उन्हें बताया गया कि उनका राशन कार्ड बन चुका है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। साथ ही उन्हें सूचित किया गया कि अगले दिन सहसपुर में आयोजित सुशासन तिहार-2025 के आवेदन निराकरण कार्यक्रम में उन्हें यह कार्ड प्रदान किया जाएगा।

तकनीकी अड़चन बनी थी परेशानी का कारण–प्रिया की शादी को एक वर्ष हो चुका था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों के चलते उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया था। इस वजह से उन्हें अपने मायके से राशन लाकर गृहस्थ जीवन चलाना पड़ रहा था। यह स्थिति उनके लिए न केवल असुविधाजनक थी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की राह में भी बाधा बन रही थी।

समाधान पेटी से मिली राहत–सुशासन तिहार 2025 के दौरान प्रिया ने अपनी समस्या समाधान पेटी में दर्ज कराई। जिला खाद्य अधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए उनके आवेदन की जांच करवाई। सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद उनका राशन कार्ड शीघ्रता से तैयार कर दिया गया।

अब आसान हुआ जीवन–राशन कार्ड मिलने के बाद अब प्रिया अपने ही ग्राम नवकेशा में आसानी से राशन प्राप्त कर रही हैं। इससे उनके दैनिक जीवन में काफी सुविधा हुई है और वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं।

सुशासन का सशक्त उदाहरण–प्रिया की यह कहानी दर्शाती है कि यदि शासन-प्रशासन संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करे, तो आम नागरिकों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन संभव है। सुशासन तिहार-2025 ने न केवल समस्याओं का समाधान किया, बल्कि लोगों के जीवन में खुशहाली और भरोसे की नई शुरुआत भी की है।

खुशहाली की निरंतर शुरुआत–आज प्रिया के चेहरे पर मुस्कान है, जो सुशासन की सफलता और प्रशासन की जवाबदेही का प्रतीक है। उनकी यह मुस्कान बताती है कि सही पहल और त्वरित कार्यवाही से जनसेवा को सार्थक बनाया जा सकता है।

उच्च जोखिम गाँवों में चेस्ट एक्स-रे एवं बलगम जाँच के माध्यम से टीबी की पहचान

निक्षय निरामय 100 दिवसीय अभियान फेज 0.2

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत साजा ब्लॉक में सफल संचालन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्यारू) के तहत संचालित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत, माननीय मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री जी की मंशा के अनुरूप कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. बी.एल. राज के मार्गदर्शन में साजा विकासखंड में टीबी मुक्त भारत अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. वर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उच्च जोखिम वाले गाँवों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत उन व्यक्तियों को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा गया है, जिनमें–पूर्व में टीबी का उपचार करा चुके मरीज, टीबी रोगियों के घरेलू संपर्क, 60 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान करने वाले, मधुमेह से ग्रसित, नशा/शराब सेवन करने वाले, भीड़भाड़ या सामूहिक स्थलों में रहने वाले, तथा ईंट-भट्ठा, खदान, क्रशर मशीन एवं राइस मिल में कार्यरत श्रमिक शामिल हैं। अभियान के तहत लक्षणयुक्त व्यक्तियों की चेस्ट एक्स-रे (Hand Held X-Ray) एवं बलगम (सपुटम) जाँच की जा रही है। जाँच में टीबी की पुष्टि होने पर मरीजों का उपचार तुरंत प्रारंभ किया जा रहा है। यह 100 दिवसीय अभियान 24 मार्च से प्रारंभ होकर निरंतर संचालित है, जिसमें मरीजों को डॉट्स एवं टीपीटी के तहत उपचार प्रदान किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की लाइन लिस्ट तैयार की गई थी। उसी के आधार पर वर्तमान में उच्च जोखिम वाले गाँवों में माइक्रोप्लान के अनुसार जाँच कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार साजा विकासखंड के कुल 47 गाँवों को उच्च जोखिम क्षेत्र में चिन्हित किया गया है। अब तक देवकर, अकलवारा, सहसपुर, नवकेशा, थानखम्हरिया, ओड़िया, तेंदो, परसबोड़ सहित सभी चिन्हित गाँवों में स्क्रीनिंग एवं जाँच कार्य किया जा रहा है। साथ ही टीबी मरीजों को नियमित दवा सेवन एवं पोषण आहार लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. वर्मा एवं बीपीएम लोकेश साहू के मार्गदर्शन में यह अभियान सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। खंड वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक श्री पुरन दास द्वारा सतत सुपरविजन किया जा रहा है। इस कार्य में जिला कार्यक्रम समन्वयक संपत्ति बंजारे, हैंड हेल्ड एक्स-रे टेक्नीशियन जावेद खान, सैज टंडन, सीएचओ, आरएचओ संजय दास मानिकपुरी, के. देशमुख, गुलाब टंडन तथा मितानिन कार्यकर्ता–सविता, पुष्पा अनंत, सुनीता तिवारी सहित समस्त स्वास्थ्य अमला एवं एमटी का सराहनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।